



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-10082020-221025  
CG-DL-E-10082020-221025

असाधारण  
EXTRAORDINARY  
भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 2333]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, अगस्त 6, 2020/श्रावण 15, 1942

No. 2333]

NEW DELHI, THURSDAY, AUGUST 6, 2020/SRAVANA 15, 1942

## पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

### अधिसूचना

नई दिल्ली, 5 अगस्त 2020

**का.आ. 2632(अ).**— प्रारूप अधिसूचना भारत के राजपत्र, असाधारण में भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 4322 (अ), तारीख 28 नवम्बर, 2019, द्वारा प्रकाशित की गई थी जिसमें ऐसे सभी व्यक्तियों से, जिनकी उससे प्रभावित होने की संभावना थी, उस तारीख से, जिसको उक्त अधिसूचना को अन्तर्विष्ट करने वाले राजपत्र की प्रतियां जनता को उपलब्ध करा दी गई थीं, साठ दिन की अवधि के भीतर आक्षेप और सुझाव आमंत्रित किए गए थे;

और, उक्त प्रारूप अधिसूचना को अन्तर्विष्ट करने वाली राजपत्र की प्रतियां जनता को तारीख 29 नवम्बर, 2019, को उपलब्ध करा दी गई थी;

और, प्रारूप अधिसूचना के उत्तर में व्यक्तियों और पणधारियों से कोई भी आक्षेप और सुझाव प्राप्त नहीं हुए;

और, कृष्णा वन्यजीव अभयारण्य आंध्र प्रदेश सरकार के वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की धारा 26 (क) के अधीन जी.ओ.एमएस.सं.79 पर्यावरण, वन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी (एफ ओ आर-III), तारीख 27.06.1998 को घोषित किया गया। अभयारण्य का कुल क्षेत्रफल 194.81 वर्ग किलोमीटर है जिसमें नचुगुंटा खंड-II रिज़र्व वन (आर एफ)

8.7548 वर्ग किलोमीटर है जिसमें कि 15°- 42" से 16°-00" उत्तर और 80°- 46" से 81°- 08" पूर्व के बीच में अभयारण्य क्षेत्र के दो राजस्व जिले, अर्थात् कृष्णा और गुंटूर शामिल हैं;

और, कृष्णा वन्यजीव अभयारण्य के वनस्पति और जीवजंतु में विशिष्ट पारिस्थितिकी प्रणाली का गठन किया गया है, जो कृष्णा एस्टुरीन क्षेत्र में विद्यमान ज्वारीय वन (मैंग्रोव) की विशेषता है; नदी के किनारे के साथ मैंग्रोव कृष्णा डेल्टा कॉम्पलैक्स में जिला पर्यावास बनाते हैं; मैंग्रोव लवण टोलेंट वन पारिस्थितिकी-प्रणाली है जो मुख्य रूप से विश्व के उष्णकटिबंधीय और उपोष्णकटिबंधीय अंतर्ज्वारिय क्षेत्रों में पाए जाते हैं, जिनमें विशिष्ट जैविक और भू- वैज्ञानिक विशेषताएं हैं और वे न केवल अत्यधिक संवेदी और उत्पादक क्षेत्र हैं, बल्कि झींगा, शेल और फिन मछली आदि के लिए नर्सरी क्षेत्र के रूप में भी कार्य करते हैं। मैंग्रोव वन में होने वाली वनस्पति और जीवजंतु में लवणता की विभिन्न डिग्री को सहन करने की विशेष क्षमता होती है; अनुकूल स्थितियों में मैंग्रोव सघन वनों का व्यापक उत्पादन पारि-प्रणाली बनाते हैं। वह एक दूसरे से संबंधित पौधों और पशुओं की कई प्रजातियों के लिए वास कर रहे हैं; अभयारण्य में पौधों और पशुओं की विभिन्न प्रजातियों के बीच अंतर-संबंध अध्ययन के लिए रुचि का विषय है;

और, अन्य प्रजातियों के साथ ज्वारीय वन (मैंग्रोव वन) मुख्य प्रकार के वन एविकेनिया ऑफिकिनालिस, एविकेनिया मरीना, एविकेनिया अल्बा, राहीजोफोरा कोन्जुगाटा, एक्सोकरिया एग्लोचा, लुमिन्टजेरा रेकेमोसा, एगेकेरेस कोरनिकुलातम, एकेथुस इल्लीकिफोलिउस, क्रिप्स रोकबुरघिना, बरूगुइरा कोंजुगाटा, कारपा मोलेकेंसिस, डालबेरगिया स्पिनोसा, डेरिस उलीगनोसा, ए केंथुस इलिकिफोलिउस, सेसुवियम पोरटुलाकुस्ट्रम, सुआडा नुडीफलोरा, सुआडा मोनोविका, सालिकोर्निया ब्रोइएट, मायरियो स्टाच्या आदि हैं; अभयारण्य में मुख्य जीवजंतु ग्रेट क्रेस्टेड ग्रेब, छोटा ग्रेब, भारतीय झबरा, छोटा जलकौआ, पर्पल बगुला, पोंड बगुला, लार्ज इग्रेट, मवेशी इग्रेट, भारतीय रूफ बगुला, वाक बगुला, चेस्टनट बिट्टर्न, येलो बिट्टर्न, ग्लोस्सी ईबिस, चित्तदार बिल्लेड बत्तख, माल्लर्ड, तिदारी, लाल क्रेस्टेड पोचार्ड, गुच्छेदार बत्तख, कॉम्ब बत्तख, काला विंगेड कार्डिट, भारतीय मूरथन, कूट और सामान्य कूट, तीतर टीलेड जकाना, काला विंगेड स्टिल्ट, लाल वाट्टुलेड टिटहरी, गोल्डन बटान, लार्ज सैंड बटान, रिंगेड बटान, सामान्य सैंडपाइपर, पिटेल स्त्रिप, जैक स्त्रिप, छोटा स्टीट, छोटा टर्न, ब्लू रॉक कबूतर, रिंगडव, चितकबरा क्रेस्टेड कोयल, भारतीय कोयल, चितकबरा किंगफिशर, स्वाल्लोव, रोजी पास्टोर, ग्रे हेडेड मैना, लाल वेंटेड बुलबुल, चितकबरा बाब्लेयर, लार्ज बस वार्बलर, असह्य वरन वार्बलर, ब्राउन लैफ वार्बलर, रेड स्टार्ट, विचित्र चाट, पर्पल शकरखोर, सफेदी पेलिकन, बांकर, स्पून बिल्ल, रीसस बंदर, पोंड और ग्रीन मेंढक, ट्री मेंढक, हाउस गेक्को, वाल्ल छिपकली, गोल्डन छिपकली, धारीधार कैल बैक, ओलिव कैलबैक, कोबरा, रूसलेस वाइपर, हॉक नोसड सी साँप, हॉक्सबिल सी, एस्टुरीन मगरमच्छ, आदि उपलब्ध हैं; और अभयारण्य में ओलिव रिडले कछुआ भी प्रजनन करते हैं और पिछले तीन वर्षों से अभयारण्य में समुद्री कछुआ (ओलिव रिडले) का संरक्षण महत्वपूर्ण क्रियाकलाप बन गया है;

और, कृष्णा वन्यजीव अभयारण्य और के चारों ओर के क्षेत्र को, जिसका विस्तार और सीमाएँ इस अधिसूचना के पैरा 1 में विनिर्दिष्ट हैं, पर्यावरण की दृष्टि से पारिस्थितिकी संवेदी जोन के रूप में सुरक्षित और संरक्षित करना और उक्त पारिस्थितिकी संवेदी जोन में उद्योगों या उद्योगों के वर्गों के प्रचालन और प्रसंस्करण करने को प्रतिषिद्ध करना आवश्यक है;

अतः, इसलिए, केन्द्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) नियम, 1986 के नियम 5 के उपनियम (3) के साथ पठित पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 (1986 का 29) की धारा 3 की उपधारा (1) और उपधारा (2) के खंड (v) और खंड (xiv) और उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आंध्र प्रदेश राज्य के कृष्णा और गुंटूर जिला के कृष्णा वन्यजीव अभयारण्य की सीमा के चारों ओर 1.0 किलोमीटर से 2.90 किलोमीटर तक विस्तारित क्षेत्र कृष्णा वन्यजीव अभयारण्य को पारिस्थितिकी संवेदी जोन (जिसे इसमें इसके पश्चात् पारिस्थितिकी संवेदी जोन कहा गया है) के रूप में अधिसूचित करती है, जिसके विवरण निम्नानुसार है, अर्थात् :-

**1. पारिस्थितिकी संवेदी जोन का विस्तार और उसकी सीमाएं-** (1) पारिस्थितिकी संवेदी जोन का विस्तार कृष्णा वन्यजीव अभयारण्य की सीमा के चारों ओर 1.0 किलोमीटर तक विस्तृत है, जब तक कि उत्तरी सीमा पर एक बिंदु सर्वेक्षण स्टेशन 11 और 12 के बीच है, जहां नचुगुंटा रिज़र्व वन खंड पारिस्थितिकी संवेदी जोन में शामिल है; जहां विस्तार 2.90 किलोमीटर है और पारिस्थितिकी संवेदी जोन का क्षेत्रफल 175.33 वर्ग किलोमीटर है।

- (2) पारिस्थितिकी संवेदी जोन और कृष्णा वन्यजीव अभयारण्य की सीमा का विवरण उपाबंध I के रूप में उपाबद्ध है।
- (3) सीमा विवरण और अक्षांश और देशांतर के साथ पारिस्थितिकी संवेदी जोन को सीमांकित करते हुए कृष्णा वन्यजीव अभयारण्य के मानचित्र उपाबंध-IIक, उपाबंध-IIख और उपाबंध-IIग के रूप में उपाबद्ध है।
- (4) पारिस्थितिकी संवेदी जोन और कृष्णा वन्यजीव अभयारण्य की सीमा के भू-निर्देशांकों की सूची उपाबंध III की सारणी क और सारणी ख में दी गई है।
- (5) मुख्य बिंदुओं के भू निर्देशांकों के साथ प्रस्तावित पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत आने वाले ग्रामों की सूची उपाबंध-IV के रूप में उपाबद्ध है।

**2. पारिस्थितिकी संवेदी जोन के लिए आंचलिक महायोजना-** (1) राज्य सरकार, पारिस्थितिकी संवेदी जोन के प्रयोजनों के लिए राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से दो वर्ष की अवधि के भीतर, स्थानीय व्यक्तियों के परामर्श से और राज्य के सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन के लिए इस अधिसूचना में दिए गए अनुबंधों का पालन करते हुए आंचलिक महायोजना तैयार करेगी।

- (2) राज्य सरकार द्वारा पारिस्थितिकी संवेदी जोन के लिए आंचलिक महायोजना ऐसी रीति से जो इस अधिसूचना में विनिर्दिष्ट किए गए हैं के अनुसार तथा सुसंगत केंद्रीय और राज्य विधियों के अनुरूप और केंद्रीय सरकार द्वारा जारी मार्गनिर्देशों, यदि कोई हों, द्वारा तैयार होगी।
- (3) आंचलिक महायोजना, उक्त योजना में पारिस्थितिकी और पर्यावरणीय बातों को समाकलित करने के लिए राज्य सरकार के निम्नलिखित विभागों के परामर्श से तैयार होगी, अर्थात्:-
  - (i) पर्यावरण;
  - (ii) वन और वन्यजीव;
  - (iii) कृषि;
  - (iv) राजस्व;
  - (v) शहरी विकास;
  - (vi) पर्यटन;
  - (vii) ग्रामीण विकास;
  - (viii) सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण,
  - (ix) नगरपालिका प्रशासन;
  - (x) सड़कें और इमारतें;
  - (xi) आंध्र प्रदेश राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड;

- (xii) बंदरगाह;
  - (xiii) मत्स्य;
  - (xiv) इंडस्ट्रीज;
  - (xv) एपीटीआरएएनएससीओ;
  - (xvi) रेलवे;
  - (xvii) पंचायती राज; और
  - (xviii) लोक निर्माण विभाग।
- (4) आंचलिक महायोजना अनुमोदित विद्यमान भू-उपयोग, अवसंरचना और क्रियाकलापों पर कोई निर्बंधन अधिरोपित नहीं करेगी जब तक कि इस अधिसूचना में इस प्रकार विनिर्दिष्ट न हो और आंचलिक महायोजना सभी अवसंरचना और क्रियाकलापों में जो अधिक दक्षता और पारिस्थितिकी अनुकूल हों का संवर्धन करेगी।
  - (5) आंचलिक महायोजना में अनाच्छादित क्षेत्रों के जीर्णोद्धार, विद्यमान जल निकायों के संरक्षण, आवाह क्षेत्रों के प्रबंधन, जल-संभरों के प्रबंधन, जल संभर प्रबंधन, मृदा और नमी संरक्षण, स्थानीय समुदायों की आवश्यकताओं तथा पारिस्थितिकी और पर्यावरण से संबंधित ऐसे अन्य पहलुओं, जिन पर ध्यान देना आवश्यक है, के लिए उपबंध होंगे।
  - (6) आंचलिक महायोजना विद्यमान और प्रस्तावित भूमि उपयोग विशेषताओं के ब्यौरों से अनुसमर्थित मानचित्र के साथ सभी विद्यमान पूजा स्थलों, ग्रामों और नगरीय बस्तियों, वनों के प्रकार और किस्मों, कृषि क्षेत्रों, ऊपजाऊ भूमि, हरित क्षेत्र जैसे उद्यान और उसी प्रकार के स्थान, उद्यान कृषि क्षेत्र, फलोउद्यान, झीलों और अन्य जल निकायों का अभ्यर्कन करेगी।
  - (7) आंचलिक महायोजना पारिस्थितिकी संवेदी जोन में विकास को विनियमित करेगी और सारणी में सूचीबद्ध पैरा 4 में प्रतिषिद्ध और विनियमित क्रियाकलापों का अनुपालन करेगी और स्थानीय समुदायों की जीविका को सुरक्षित करने के लिए पारिस्थितिकी अनुकूल विकास को सुनिश्चित और उसकी अभिवृद्धि भी करेगी।
  - (8) आंचलिक महायोजना प्रादेशिक विकास योजना की सह-विस्तारी होगी।
  - (9) इस प्रकार अनुमोदित आंचलिक महायोजना इस अधिसूचना के उपबंधों के अनुसार मानीटरी के अपने कार्यों को करने के लिए मानीटर समिति के लिए एक संदर्भ दस्तावेज तैयार करेगी।

**3. राज्य सरकार द्वारा किए जाने वाले उपाय.-** राज्य सरकार इस अधिसूचना के उपबंधों को प्रभावी करने के लिए निम्नलिखित उपाय करेगी, अर्थात्:-

**(1) भू-उपयोग.-** (क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में वनों, उद्यान कृषि क्षेत्रों, कृषि क्षेत्रों, मनोरंजन के प्रयोजनों के लिए चिन्हित किए गए पार्कों और खुले स्थानों का वाणिज्यिक या आवासीय या औद्योगिक संबद्ध विकास क्रियाकलापों के लिए उपयोग या संपरिवर्तन नहीं होगा:

परंतु यह कि पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर भाग (क) में विनिर्दिष्ट प्रयोजनों से भिन्न प्रयोजन के लिए कृषि और अन्य भूमि का संपरिवर्तन मानीटरी समिति की सिफारिश पर और यथा लागू और क्षेत्रीय नगर योजना अधिनियम और केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के अन्य नियमों तथा विनियमों के अधीन सक्षम प्राधिकारी के पूर्व अनुमोदन से, और इस

अधिसूचना के उपबंधों द्वारा स्थानीय निवासियों की निम्नलिखित आवासीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अनुज्ञात किया जाएगा, जैसे:-

- (i) विद्यमान सड़कों को चौड़ा करना और उन्हें सुदृढ़ करना तथा नई सड़कों का संनिर्माण;
- (ii) बुनियादी ढांचों और नागरिक सुविधाओं का संनिर्माण और नवीकरण;
- (iii) प्रदूषण उत्पन्न न करने वाले लघु उद्योग;
- (iv) कुटीर उद्योगों जिनके अंतर्गत ग्रामीण उद्योग भी हैं; सुविधाजनक भण्डार और स्थानीय सुविधाएं सहायक पारिस्थितिकी पर्यटन जिसके अन्तर्गत गृह वास सम्मिलित है; और
- (v) पैरा 4 के अधीन दिए गए संबंधित क्रियाकलाप:

परंतु यह और कि प्रादेशिक नगर योजना अधिनियम और राज्य सरकार के अन्य नियमों और विनियमों के अधीन सक्षम प्राधिकारी के पूर्व अनुमोदन और संविधान के अनुच्छेद 244 के उपबंधों या तत्समय प्रवृत्त विधि के उपबंधों के अनुपालन के बिना, जिसके अन्तर्गत अनुसूचित जनजाति और अन्य परंपरागत वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006 (2007 का 2) भी है, वाणिज्यिक या औद्योगिक विकास क्रियाकलापों के लिए जनजातीय भूमि का उपयोग अनुज्ञात नहीं होगा:

परंतु यह और भी कि पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर भू-अभिलेखों में उपसंज्ञात कोई गलती, मानीटरी समिति के विचार प्राप्त करने के पश्चात् राज्य सरकार द्वारा प्रत्येक मामले में एक बार ठीक होगी और उक्त गलती के सुधार की सूचना केंद्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को दी जाएगी:

परंतु यह और भी कि गलती के संशोधन में इस उप पैरा के अधीन यथा उपबंधित के सिवाय किसी भी दशा में भू-उपयोग का परिवर्तन सम्मिलित नहीं होगा;

(ख) वनीकरण तथा वास जीर्णोद्धार क्रियाकलापों सहित अप्रयुक्त या अनुत्पादक कृषि क्षेत्रों में पुनः वनीकरण करने के प्रयास किए जाएंगे।

**(2) प्राकृतिक जल स्रोतों.-** आंचलिक महायोजना में सभी प्राकृतिक जल स्रोतों के आवाह क्षेत्रों की पहचान की जाएगी और उनके संरक्षण और नवीकरण के लिए योजना सम्मिलित होगी और राज्य सरकार द्वारा ऐसे क्षेत्रों पर या उनके निकट विकास क्रियाकलाप प्रतिषिद्ध करने के बारे में जो ऐसे क्षेत्रों के लिए अहितकर हो ऐसी रीति से मार्गदर्शक सिद्धांत तैयार किए जाएंगे।

**(3) पर्यटन या पारिस्थितिकी पर्यटन.-** (क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर सभी नए पारिस्थितिकी पर्यटन क्रियाकलाप या विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों का विस्तार पर्यटन महायोजना के अनुसार पारिस्थितिकी संवेदी जोन के लिए होगा।

(ख) पर्यटन महायोजना राज्य पर्यटन विभाग द्वारा राज्य पर्यावरण और वन विभाग के परामर्श से तैयार होगी।

(ग) पर्यटन महायोजना आंचलिक महायोजना के एक घटक के रूप में होगी।

(घ) पर्यटन महायोजना पारिस्थितिकी संवेदी जोन की वहन क्षमता के आधार पर तैयार की जाएगी।

(ङ) पारिस्थितिकी पर्यटन संबंधी क्रियाकलाप निम्नानुसार विनियमित होंगे:-

- (i) संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर के भीतर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन के विस्तार तक, इनमें जो भी निकट है, नये वाणिज्यिक होटल और सैरगाह के सन्निर्माण अनुज्ञात नहीं होंगे:

परंतु, यह कि संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर की दूरी से परे पारिस्थितिकी संवेदी जोन के विस्तार तक होटलों और रिजॉर्ट का स्थापना केवल पूर्व परिभाषित और नामनिर्दिष्ट क्षेत्रों में पर्यटन महायोजना के अनुसार पारिस्थितिकी पर्यटन सुविधाओं के लिए ही अनुज्ञात होगा;

- (ii) पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर नए पर्यटन क्रियाकलापों या विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों का विस्तार केंद्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के मार्गदर्शक सिद्धांतों के द्वारा तथा राष्ट्रीय व्याघ्र संरक्षण प्राधिकरण, द्वारा जारी पारिस्थितिकी-पर्यटन, पारिस्थितिकी-शिक्षा और पारिस्थितिकी-विकास पर बल देते हुए (समय-समय पर यथा संशोधित) जारी मार्गदर्शक सिद्धांतों के अनुसार होगा;
- (iii) आंचलिक महायोजना का अनुमोदन किए जाने तक, पर्यटन के लिए विकास और विद्यमान पर्यटन क्रियाकलापों के विस्तार को वास्तविक स्थल विनिर्दिष्ट संवीक्षा और मानीटरी समिति की सिफारिश पर आधारित संबंधित विनियामक प्राधिकरणों द्वारा अनुज्ञात किया जाएगा और पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर किसी नये होटल या रिसोर्ट या वाणिज्यिक स्थापना का संनिर्माण अनुज्ञात नहीं किया जायेगा।

**(4) नैसर्गिक विरासत.-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में महत्वपूर्ण नैसर्गिक विरासत के सभी स्थलों जैसे जीन कोश आरक्षित क्षेत्र, शैल विरचनाएं, जल प्रपातों, झरनों, घाटी मार्गों, उपवनों, गुफाएं, स्थलों, भ्रमण, अश्वरोहण, प्रपातों आदि की पहचान की जाएगी और विरासत संरक्षण योजना आंचलिक महायोजना के भाग के रूप में परिरक्षण और संरक्षण के लिए तैयार की जाएगी।

**(5) मानव निर्मित विरासत स्थल.-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में भवनों, संरचनाओं, शिल्प-तथ्य, ऐतिहासिक, स्थापत्य, सौंदर्यपूरक और सांस्कृतिक महत्व के क्षेत्रों की और उपक्षेत्रों की पहचान और उनके संरक्षण के लिए विरासत योजना आंचलिक महायोजना के भाग के रूप में तैयार की जाएगी।

**(6) ध्वनि प्रदूषण.-** पर्यावरण अधिनियम के अधीन ध्वनि प्रदूषण (विनियमन और नियंत्रण) नियम, 2000 में नियत उपबंधों के अनुसार पारिस्थितिकी संवेदी जोन में ध्वनि प्रदूषण के नियंत्रण और निवारण का अनुपालन किया जाएगा।

**(7) वायु प्रदूषण.-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में, वायु प्रदूषण के निवारण और नियंत्रण का वायु (प्रदूषण निवारण और नियंत्रण) अधिनियम, 1981 (1981 का 14) और उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंधों के अनुसार अनुपालन किया जाएगा।

**(8) बहिस्त्राव का निस्सारण.-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में उपचारित बहिस्त्राव का निस्सारण, साधारण मानकों के उपबंधों के अनुसार पर्यावरणीय अधिनियम और उसके अधीन बनाए गए नियमों के अधीन आने वाले पर्यावरणीय प्रदूषण के निस्सारण के लिए साधारण मानकों या राज्य सरकार द्वारा नियत मानकों, जो भी अधिक कठोर हो, के उपबंधों के अनुसार होगा।

**(9) ठोस अपशिष्ट.-** ठोस अपशिष्ट का निपटान और प्रबंधन निम्नानुसार किया जाएगा:-

- (क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में ठोस अपशिष्ट का निपटान और प्रबंधन भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना सं. का.आ. 1357(अ), तारीख 8 अप्रैल, 2016 द्वारा प्रकाशित ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016, के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा। अकार्बनिक पदार्थों का निपटान पारिस्थितिकी संवेदी जोन से बाहर चिन्हित किए गए स्थानों पर पर्यावरण-अनुकूल रीति से किया जाएगा;
- (ख) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में मान्य प्रौद्योगिकियों (ईएसएम) का उपयोग करते हुए विद्यमान नियमों और विनियमों के अनुरूप ठोस अपशिष्ट का सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल प्रबंधन अनुज्ञात किया जा सकेगा।



**(10) जैव चिकित्सा अपशिष्ट.-** जैव चिकित्सा अपशिष्ट का प्रबंधन निम्नानुसार किया जाएगा:-

- (क) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में जैव चिकित्सा अपशिष्ट का निपटान भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना सं.सा.का.नि 343 (अ), तारीख 28 मार्च, 2016, द्वारा प्रकाशित जैव चिकित्सा अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।
- (ख) पारिस्थितिकी संवेदी जोन में मान्य प्रौद्योगिकियों का उपयोग करते हुए विद्यमान नियमों और विनियमों के अनुरूप जैव-चिकित्सा अपशिष्ट का सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल प्रबंधन अनुज्ञात किया जा सकेगा।

**(11) प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन.-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन का निपटान भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर यथासंशोधित अधिसूचना सं.सा.का.नि 340(अ), तारीख 18 मार्च, 2016, द्वारा प्रकाशित प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

**(12) निर्माण और विध्वंस अपशिष्ट प्रबंधन.-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में संनिर्माण और विध्वंस अपशिष्ट प्रबंधन का निपटान भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की समय-समय पर यथासंशोधित अधिसूचना सं.सा.का.नि 317(अ), तारीख 29 मार्च, 2016, द्वारा प्रकाशित संनिर्माण और विध्वंस प्रबंधन नियम, 2016 के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

**(13) ई-अपशिष्ट.-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में ई-अपशिष्ट प्रबंधन का निपटान भारत सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा, समय-समय पर यथासंशोधित, प्रकाशित ई-अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2016, के उपबंधों के अनुसार किया जाएगा।

**(14) यानीय यातायात.-** यातायात की यानीय गतिविधियां आवास के अनुकूल विनियमित होंगी और इस संबंध में आंचलिक महायोजना में विशेष उपबंध सम्मिलित किए जाएंगे और आंचलिक महायोजना के तैयार होने और राज्य सरकार के सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित होने तक, मानीटरी समिति सुसंगत अधिनियमों और उसके अधीन बनाए गए नियमों और विनियमों के अनुसार यानीय क्रियाकलापों के अनुपालन को मानीटर करेगी।

**(15) यानीय प्रदूषण.-** लागू विधियों के अनुपालन में यानीय प्रदूषण का निवारण और नियंत्रण किया जाएगा और स्वच्छक ईंधन के उपयोग के लिए प्रयास किए जाएंगे।

**(16) औद्योगिक ईकाइयां.-** (i) राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन पर या उसके पश्चात पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर किसी नए प्रदूषण करने वाले उद्योगों की स्थापना अनुज्ञात नहीं की जाएगी।

- (ii) केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा फरवरी, 2016 में जारी मार्गदर्शक सिद्धांतों में उद्योगों के वर्गीकरण के अनुसार, जब तक कि अधिसूचना में इस प्रकार विनिर्दिष्ट न हो; पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर केवल गैर-प्रदूषणकारी उद्योगों को अनुज्ञात किया जाएगा और इसके अतिरिक्त, गैर प्रदूषणकारी उद्योगों को बढ़ावा दिया जाएगा।

**(17) पहाड़ी ढलानों को संरक्षण.-** पहाड़ी ढलानों का संरक्षण निम्नानुसार होगा:-

- (क) आंचलिक महायोजना पहाड़ी ढलानों पर क्षेत्रों का संकेत होगा जहां किसी भी संनिर्माण की अनुमति नहीं दी जाएगी;

- (ख) कटाव के एक उच्च डिग्री के साथ विद्यमान खड़ी पहाड़ी ढलानों या ढलानों पर किसी भी संनिर्माण की अनुमति नहीं दी जाएगी।

**4. पारिस्थितिकी संवेदी जोन में प्रतिषिद्ध और विनियमित किए जाने वाले क्रियाकलापों की सूची.-** पारिस्थितिकी संवेदी जोन में सभी क्रियाकलाप पर्यावरण अधिनियम के उपबंधों और उसके अधीन बनाए गए नियमों जिसके अन्तर्गत तटीय विनियमन जोन अधिसूचना 2011 और पर्यावरणीय समाघात निर्धारण अधिसूचना, 2006 और अन्य लागू विधियों के जिसमें वन (संरक्षण) अधिनियम, 1980 (1980 का 69), भारतीय वन अधिनियम, 1927 (1927 का 16), वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 (1972 का 53) सम्मिलित हैं और किये गये संशोधनों द्वारा शासित होंगे और नीचे दी गई सारणी में विनिर्दिष्ट रीति में विनियमित होंगे, अर्थात् :-

#### सारणी

| क्रम सं.                        | क्रियाकलाप   | विवरण  |
|---------------------------------|--|--|
| (1)                             | (2)  | (3)  |
| <b>क. प्रतिषिद्ध क्रियाकलाप</b> |  |  |
| 1.                              | वाणिज्यिक खनन, पत्थर उत्खनन और अपघर्षण इकाइयां।                            | (क) वास्तविक स्थानीय निवासियों की घरेलू आवश्यकताओं जिसमें निजी उपयोग के लिए मकानों के संनिर्माण या मरम्मत के लिए धरती को खोदना और मकान बनाने के लिए देशी टाइल्स या ईंटों का निर्माण करना भी सम्मिलित है, के सिवाय सभी प्रकार के नए और विद्यमान खनन (लघु और वृहत खनिज), पत्थर की खानें और उनको तोड़ने की इकाइयां तत्काल प्रभाव से प्रतिषिद्ध होगी।<br><br>(ख) खनन प्रचालन, माननीय उच्चतम न्यायालय की रिट याचिका (सिविल) सं. 1995 का 202 टी.एन. गौडावर्मन थिरुमूलपाद बनाम भारत संघ के मामले में आदेश तारीख 4 अगस्त, 2006 और रिट याचिका (सी) सं. 2012 का 435 गोवा फाउंडेशन बनाम भारत संघ के मामले में तारीख 21 अप्रैल, 2014 के आदेश के अनुसरण में प्रचालन होगा। |
| 2.                              | प्रदूषण (जल, वायु, मृदा, ध्वनि आदि) उत्पन्न करने वाले उद्योगों की स्थापना। | पारिस्थितिकी संवेदी जोन में कोई नया उद्योग लगाने और वर्तमान प्रदूषणकारी उद्योगों का विस्तार करने की अनुज्ञा नहीं होगी:<br><br>परन्तु यह कि केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा फरवरी, 2016 में जारी मार्ग दर्शक सिद्धान्तों में उद्योगों के वर्गीकरण के अनुसार जब तक कि अधिसूचना में ऐसा विनिर्दिष्ट न हों, पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर गैर-प्रदूषणकारी उद्योगों को अनुज्ञात किया जाएगा और इसके अतिरिक्त गैर-प्रदूषणकारी कुटीर उद्योगों को बढ़ावा दिया जाएगा।  |
| 3.                              | वृहत जल विद्युत परियोजना की स्थापना।                                       | लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) होंगे।   |
| 4.                              | किसी परिसंकटमय पदार्थों का उपयोग या उत्पादन या प्रसंस्करण।                 | लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) होंगे।   |
| 5.                              | प्राकृतिक जल निकायों या क्षेत्र भूमि में अनुपचारित बहिर्वाह का निस्सारण।   | लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) होंगे।   |
| 6.                              | नई आरा मिलों की स्थापना।   | पारिस्थितिकी संवेदी जोन के भीतर नई और विद्यमान आरा मिलों का विस्तार अनुज्ञात नहीं होगा।  |
| 7.                              | ईट भट्टों की स्थापना करना।   | लागू विधियों के अनुसार प्रतिषिद्ध (अन्यथा उपबंधित के सिवाय) होंगे।   |



| ख. विनियमित क्रियाकलाप |   |  |
|------------------------|---|--|
| 8.                     | वाणिज्यिक होटलों और रिसोर्टों की स्थापना।   | पारिस्थितिकी पर्यटन क्रियाकलापों लघु अस्थायी संरचनाओं के सिवाय संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर के भीतर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन के विस्तार तक, इनमें जो भी निकट है, नए वाणिज्यिक होटल और रिसोर्टों को अनुज्ञात नहीं किया जाएगा:<br>परंतु यह कि संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर के परे या पारिस्थितिकी संवेदी जोन के विस्तार तक इनमें से जो भी निकट हो सभी नए पर्यटन क्रियाकलाप या विद्यमान क्रियाकलाप का विस्तार पर्यटन महायोजना और यथा लागू मार्गदर्शी सिद्धांतों के अनुरूप होगा।   |
| 9.                     | संनिर्माण क्रियाकलाप।   | (क) संरक्षित क्षेत्र की सीमा से एक किलोमीटर के भीतर या पारिस्थितिकी संवेदी जोन के विस्तार तक, इनमें जो भी निकट हो, किसी भी प्रकार के नये वाणिज्यिक संनिर्माण की अनुज्ञा नहीं होगी:<br><br>परंतु यह कि स्थानीय लोगों को अपनी आवास सम्बन्धी निम्नलिखित आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, पैरा 3 के उप पैरा (1) में सूचीबद्ध क्रियाकलापों सहित अपने प्रयोग के लिए, अपनी भूमि में भवन उप-विधियों के अनुसार, संनिर्माण करने की अनुज्ञा होगी, जैसे:-<br><br>परंतु यह कि गैर-प्रदूषणकारी लघु उद्योगों से संबंधित संनिर्माण क्रियाकलाप लागू नियमों और विनियमों, यदि कोई हों, के अनुसार सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति से विनियमित किए जाएंगे और वे न्यूनतम होंगे।<br>(ख) एक किलोमीटर क्षेत्र से परे ये आंचलिक महायोजना के अनुसार विनियमित होंगे। |
| 10.                    | प्रदूषण उत्पन्न न करने वाले लघु उद्योग।   | फरवरी, 2016 में केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा जारी उद्योगों में वर्गीकरण के अनुसार गैर-प्रदूषणकारी उद्योग और अपरिसंकटमय में, लघु और सेवा उद्योग, कृषि, पुष्प कृषि, उद्यान कृषि या पारिस्थितिकी संवेदी जोन से देशी सामग्री से उत्पादों को उत्पन्न करने वाले कृषि आधारित उद्योग सक्षम प्राधिकारी द्वारा अनुज्ञात होंगे।  |
| 11.                    | वृक्षों की कटाई।  | (क) राज्य सरकार में सक्षम प्राधिकारी की पूर्व अनुमति के बिना वन, सरकारी या राजस्व या निजी भूमि पर या वनों में वृक्षों की कटाई नहीं होगी।<br>(ख) वृक्षों की कटाई संबंधित केंद्रीय या राज्य अधिनियम या उसके अधीन बनाए गए नियमों के उपबंध के अनुसार विनियमित होंगे।   |
| 12.                    | वन उत्पादों या गैर काष्ठ वन उत्पादों का संग्रहण।                                      | लागू विधियों के अनुसार विनियमित होंगे।   |
| 13.                    | विद्युत और संचार टावरों का परिनिर्माण और केबलों के बिछाए जाने और अन्य बुनियादी ढांचे। | लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे। (भूमिगत केबल के बिछाए जाने को बढ़ावा दिया जाएगा)।   |
| 14.                    | नागरिक सुख सुविधाओं सहित अवसंरचनाएं।  | न्यूनीकरण उपायों को लागू विधियों, नियमों और विनियमनों और उपलब्ध मार्गदर्शक सिद्धांतों के अनुसार किया जाना।   |
| 15.                    | विद्यमान सड़कों को चौड़ा करना और उन्हें सुदृढ़ करना तथा नवीन सड़कों का संनिर्माण।     | न्यूनीकरण उपायों को लागू विधियों, नियमों और विनियमनों और उपलब्ध मार्गदर्शक सिद्धांतों के अनुसार किया जाना।   |
| 16.                    | पर्यटन से संबंधित अन्य क्रियाकलाप जैसे  | लागू विधियों के अनुसार विनियमित होंगे।   |

|                              |   |   |
|------------------------------|---|---|
|                              | गर्म वायु गुब्बारे, हेलीकाप्टर, ड्रोन, माइक्रोलाइट्स आदि द्वारा पारिस्थितिकी संवेदी जोन क्षेत्र के ऊपर से उड़ना जैसे क्रियाकलाप करना। |   |
| 17.                          | पहाड़ी ढालों और नदी तटों का संरक्षण।  | लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।  |
| 18.                          | रात्रि में यानिक यातायात का संचलन।  | लागू विधियों के अधीन वाणिज्यिक प्रयोजन के लिए विनियमित होंगे।   |
| 19.                          | स्थानीय समुदायों द्वारा चल रही कृषि और बागवानी प्रथाओं के साथ दुग्धशाला, दुग्ध उद्योग, कृषि और मछली पालन।                             | स्थानीय लोगों के उपयोग के लिए लागू विधियों के अधीन अनुज्ञात होंगे।  |
| 20.                          | फर्मों, कंपनियों द्वारा बड़े पैमाने पर वाणिज्यिक पशुओं और पोल्ट्री फार्मों की स्थापना।  | स्थानीय आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए लागू विधियों के अधीन विनियमित (अन्यथा प्रदान किए गए) होंगे।  |
| 21.                          | प्राकृतिक जल निकायों या सतही क्षेत्र में उपचारित बहिर्वाह का निस्तारण।  | जल निकायों में उपचारित अपशिष्ट जल या बहिर्वाह के निस्तारण से बचा जाएगा और उपचारित अपशिष्ट जल के पुनःचक्रण और पुनःउपयोग के लिए प्रयास किए जाएंगे। अन्यथा लागू विधियों के अनुसार उपचारित बहिर्वाह के पुनर्चक्रण/प्रवाह के निर्वहन को विनियमित किया जाएगा। |
| 22.                          | सतही और भूजल का वाणिज्यिक प्रयोग एवं निष्कर्षण।   | लागू विधियों के अनुसार विनियमित होंगे।  |
| 23.                          | ठोस अपशिष्ट एवं प्रबन्धन।   | लागू विधियों के अनुसार विनियमित होंगे।  |
| 24.                          | विदेशी प्रजातियों को लाना।  | लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।  |
| 25.                          | पारिस्थितिकी-पर्यटन   | लागू विधियों के अनुसार विनियमित होंगे।  |
| 26.                          | पोलिथीन बैगों का प्रयोग।  | लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।  |
| 27.                          | वाणिज्यिक साइनबोर्ड और होर्डिंग।  | लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।  |
| 28.                          | विकास क्रियाकलापों के लिए विस्फोटक पदार्थ का उपयोग।   | लागू विधियों के अधीन विनियमित होंगे।  |
| <b>ग. संबंधित क्रियाकलाप</b> |   |   |
| 29.                          | वर्षा जल संचयन।   | सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।  |
| 30.                          | जैविक खेती।   | सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।  |
| 31.                          | सभी गतिविधियों के लिए हरित प्रौद्योगिकी को ग्रहण करना।  | सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।  |
| 32.                          | कुटीर उद्योगों जिसके अंतर्गत ग्रामीण कारीगर भी हैं।   | सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।  |
| 33.                          | नवीकरणीय ऊर्जा और ईंधन का उपयोग।  | वायोगैस, सौर प्रकाश इत्यादि को बढ़ावा दिया जाना है।   |
| 34.                          | कृषि वानिकी।  | सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।  |
| 35.                          | बागान लगाना और जड़ी बूटियों का रोपण।  | सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।  |
| 36.                          | पारिस्थितिकी अनुकूल परिवहन का उपयोग।  | सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।  |
| 37.                          | कौशल विकास।   | सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।  |
| 38.                          | निम्नीकृत भूमि/ वन / वास की बहाली।  | सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।  |
| 39.                          | पर्यावरणीय जागरूकता।  | सक्रिय रूप से बढ़ावा दिया जाएगा।  |

5. पारिस्थितिकी संवेदी जोन की अधिसूचना की मानीटरी के लिए मानीटरी समिति- केंद्रीय सरकार, पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 3 की उपधारा (3) के अधीन इस अधिसूचना के उपबंधों की प्रभावी मानीटरी के लिए मानीटरी समिति का गठन करती है, जो निम्नलिखित से मिलकर बनेगी अर्थात्:-

| क्र.सं. | मानीटरी समिति का संविधान  | पद             |
|---------|---|----------------|
| (i)     | संबंधित प्रभागीय वन अधिकारियों के जिला कलेक्टर  | अध्यक्ष, पदेन; |
| (ii)    | राज्य सरकार द्वारा नामित किए जाने वाले वन्यजीव संरक्षण के क्षेत्र में काम करने वाले गैर-सरकारी संगठन का प्रतिनिधि | सदस्य;         |
| (iii)   | पर्यावरण इंजीनियर, विजयवाड़ा आंध्र प्रदेश राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड  | सदस्य;         |
| (iv)    | नगर आयुक्त, कृष्णा और गुंटूर  | सदस्य;         |
| (v)     | प्रभागीय वन अधिकारी, वन्यजीव प्रबंधन, एलुरु   | सदस्य;         |
| (vi)    | राज्य सरकार द्वारा नामित जैव विविधता में एक विशेषज्ञ  | सदस्य;         |
| (vii)   | राज्य के प्रतिष्ठित संस्थान या विश्वविद्यालय से पारिस्थितिकी में एक विशेषज्ञ                                      | सदस्य;         |
| (viii)  | पोर्टर्स, निज़ामपट्टनम पोर्ट, निज़ामपट्टनम के निदेशक  | सदस्य;         |
| (ix)    | महाप्रबंधक, डीआईसी, विजयवाड़ा   | सदस्य;         |
| (x)     | उप निदेशक, मत्स्य, मचिलीपट्टनम  | सदस्य;         |
| (xi)    | जिला वन्यजीव वार्डन, कृष्णा (टी) विजयवाड़ा, गुंटूर (टी) गुंटूर  | सदस्य- सचिव।   |

**6. निर्देश-निबंधन:-** (1) मानीटरी समिति इस अधिसूचना के उपबंधों के अनुपालन को मानीटर करेगी।

- (2) मानीटरी समिति का कार्यकाल तीन वर्ष तक या राज्य सरकार द्वारा नई समिति के पुनः गठन तक के लिए होगा और तत्पश्चात मानीटरी समिति राज्य सरकार द्वारा गठित की जाएगी।
- (3) ऐसे क्रियाकलापों की, जो भारत सरकार के तत्कालीन पर्यावरण और वन मंत्रालय की अधिसूचना संख्यांक का.आ. 1533 (अ), तारीख 14 सितम्बर, 2006 की अनुसूची में सम्मिलित हैं, और जो पारिस्थितिकी संवेदी जोन में आते हैं, सिवाय इसके जो पैरा 4 के अधीन सारणी में यथा विनिर्दिष्ट प्रतिषिद्ध क्रियाकलापों के, मानीटरी समिति द्वारा वास्तविक विनिर्दिष्ट स्थलीय दशाओं के आधार पर संवीक्षा की जाएगी और उक्त अधिसूचना के उपबंधों के अधीन पूर्व पर्यावरण अनापत्ति के लिए केंद्रीय सरकार के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को निर्दिष्ट किया जाएगा।
- (4) इस अधिसूचना के पैरा 4 के अधीन सारणी में यथा विनिर्दिष्ट प्रतिषिद्ध क्रियाकलापों के सिवाय, भारत सरकार के तत्कालीन पर्यावरण और वन मंत्रालय की अधिसूचना संख्यांक का.आ. 1533(अ), तारीख 14 सितंबर, 2006 की अधिसूचना के अनुसूची के अधीन ऐसे अनुसूची में क्रियाकलापों, जिन्हें सम्मिलित नहीं किया गया है, परंतु पारिस्थितिकी संवेदी जोन में आते हैं, ऐसे क्रियाकलापों की वास्तविक विनिर्दिष्ट स्थलीय दशाओं पर आधारित निगरानी समिति द्वारा संवीक्षा की जाएगी और उसे संबद्ध विनियामक प्राधिकरणों को निर्दिष्ट किया जाएगा।
- (5) मानीटरी समिति का सदस्य-सचिव या संबद्ध उपायुक्त ऐसे व्यक्ति के विरुद्ध, जो इस अधिसूचना के किसी उपबंध का उल्लंघन करता है, पर्यावरण अधिनियम, की धारा 19 के अधीन परिवाद फाइल करने के लिए सक्षम होगा।

- (6) मानीटरी समिति मुद्दा दर मुद्दा के आधार पर अपेक्षाओं पर निर्भर रहते हुए संबद्ध विभागों के प्रतिनिधियों या विशेषज्ञों, औद्योगिक संगमों या संबद्ध पणधारियों के प्रतिनिधियों को अपने विचार-विमर्श में सहायता के लिए आमंत्रित कर सकेगी।
- (7) मानीटरी समिति प्रत्येक वर्ष की 31 मार्च तक के अपने क्रियाकलापों की वार्षिक कार्रवाई रिपोर्ट राज्य के मुख्य वन्यजीव वार्डन को उपाबंध V के अनुसार प्रोफार्मा उक्त वर्ष के 30 जून तक प्रस्तुत करेगी।
- (8) केन्द्रीय सरकार का पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय मानीटरी समिति को अपने कृत्यों के प्रभावी निर्वहन के लिए समय-समय पर ऐसे निर्देश दे सकेगा, जो वह ठीक समझे।

**7. अतिरिक्त उपाय -** इस अधिसूचना के उपबंधों को प्रभावी बनाने के लिए केंद्रीय सरकार और राज्य सरकार, अतिरिक्त उपाय, यदि कोई हों, विनिर्दिष्ट कर सकेंगी।

**8. उच्चतम न्यायालय, आदि के आदेश-** इस अधिसूचना के उपबंध भारत के माननीय उच्चतम न्यायालय या उच्च न्यायालय या राष्ट्रीय हरित अधिकरण द्वारा पारित किए गए या पारित किए जाने वाले आदेश, यदि कोई हो, के अधीन होंगे।

[फा. सं. 25/40/2018-ईएसजेड]

डॉ. सतीश चन्द्र गड़कोटी, वैज्ञानिक 'जी'

#### उपाबंध -I

#### आंध्र प्रदेश राज्य में कृष्णा वन्यजीव अभयारण्य के चारों ओर पारिस्थितिकी संवेदी जोन की सीमा का विवरण

ठ से ट: पारिस्थितिकी संवेदी जोन सीमा स्टेशन 'एल' (अक्षांश: 15.8713° -देशांतर: 80.7645°) से आरंभ होती है, अभयारण्य सीमा से 1 किलोमीटर बंगाल की खाड़ी के तट पर कोथापलेम रिज़र्व वन में है और पश्चिम दिशा में समानांतर जाती है फिर यह कोथापलेम ग्राम के निकट बिंदु 'के' (अक्षांश: 15.9344° -देशांतर: 80.8177°) पहुंचती है।

ट से ज: इसके बाद, पारिस्थितिकी संवेदी जोन सीमा मोल्लागूटी ग्राम के निकट स्टेशन 'जे' (अक्षांश: 15.8871° - देशांतर: 80.8340°) से दक्षिण पूर्वी दिशा में पार करके जाती है।

ज से झ: इसके बाद, पारिस्थितिकी संवेदी जोन सीमा मरूतून्यापलेम ग्राम के निकट स्टेशन 'आई' (अक्षांश: 15.8798° -देशांतर: 80.8692°) से पश्चिमी दिशा में पार करके जाती है।

झ से ज: इसके बाद सीमा रेखा दक्षिणी दिशा में 'आई' पार करके जाती है यह लंकावानीडीब्बा ग्राम के निकट स्टेशन 'एच' (अक्षांश: 15.8040° -देशांतर: 80.8445°) पहुंचती है।

- ज से छ: इसके बाद सीमा रेखा दक्षिणी दिशा में 'एच' पार करके जाती है फिर यह कृष्णा नदी के तट के निकट स्टेशन 'जी' (अक्षांश: 15.7698° –देशांतर: 80.8398°) पहुंचती है जहां यह कृष्णा नदी को पार करके पूर्व की ओर मुड़ती है।
- छ से च: इसके बाद सीमा रेखा कृष्णा नदी को पार करके कृष्णा जिला में जाकर और इलीचेटयलाडिब्बा ग्राम के निकट स्टेशन 'एफ' (अक्षांश: 15.7896° –देशांतर: 80.8670°) से जुड़ती है और उत्तर-पूर्वी दिशा में अभयारण्य सीमा के समानांतर जाती है।
- च से ड: इसके बाद सीमा रेखा नदीपेरू (कृष्णा नदी की एक भुजा) को पार करके और नचुगुंटा द्वीप में जाती है और नचुगुंटा ग्राम के निकट स्टेशन 'ई' (अक्षांश: 15.7894° –देशांतर: 80.8874°) से जुड़ती है और नचुगुंटा खंड-II के दक्षिण-पश्चिम कोन से जुड़ती है।
- ड से घ: इसके बाद सीमा रेखा घिरे हुए होल ब्लॉक के ब्लॉक II नचुगुंटा आर.एफ. की सीमा रेखा के साथ जाती है और ब्लॉक के उत्तर-पूर्वी कोण पहुंचती है और सीमा से 1 किलोमीटर की दूरी पर समानांतर जाती है और बल्लालेरू (कृष्णा नदी का अन्य किनारा) को पार करके और इतीमोगा ग्राम के निकट स्टेशन 'डी' (अक्षांश: 15.8692° –देशांतर: 80.9692°) में जाती है।
- घ से ग: इसके बाद पारिस्थितिकी संवेदी जोन सीमा रेखा अभयारण्य सीमा रेखा के समानांतर 1 किलोमीटर उत्तर-पूर्वी दिशा में जाती है और संगमेश्वरम ग्राम के निकट स्टेशन 'सी' (अक्षांश: 15.8962° –देशांतर: 80.0162°) से जुड़ती है।
- ग से ख: इसके बाद पारिस्थितिकी संवेदी जोन सीमा रेखा अभयारण्य सीमा रेखा के समानांतर 1 किलोमीटर उत्तर-पूर्वी दिशा में जाती है। और सुभद्रापुरम ग्राम के निकट स्टेशन 'बी' (अक्षांश: 15.9375° –देशांतर: 80.0696°) से जुड़ती है।
- ख से क: इसके बाद पारिस्थितिकी संवेदी जोन सीमा रेखा अभयारण्य सीमा रेखा के समानांतर 1 किलोमीटर उत्तर-पूर्वी दिशा में जाती है और हमसालादेवी ग्राम के निकट स्टेशन 'ए' (अक्षांश: 15.9936° –देशांतर: 80.0881°) से जुड़ती है। इसके बाद पारिस्थितिकी संवेदी जोन सीमा रेखा कृष्णा नदी के पहले तट पहुंचती है और नदी को पार करके और कृष्णा नदी के पूर्वी बांध जाती है यह बंगाल की खाड़ी तक पहुंचती है। इसके बाद पारिस्थितिकी संवेदी जोन सीमा रेखा अभयारण्य के समुद्र की तरफ के साथ बंगाल की खाड़ी में अभयारण्य सीमा के समानांतर 1 किलोमीटर आडे-तिरछे ढंग में, यह घिरा हुआ है और गुंटूर जिला में स्टेशन 'एल' (अक्षांश: 15.8713° –देशांतर: 80.7645°) आरंभिक बिंदु से जुड़ा और निकटतम है।

## उपाबंध- IIक

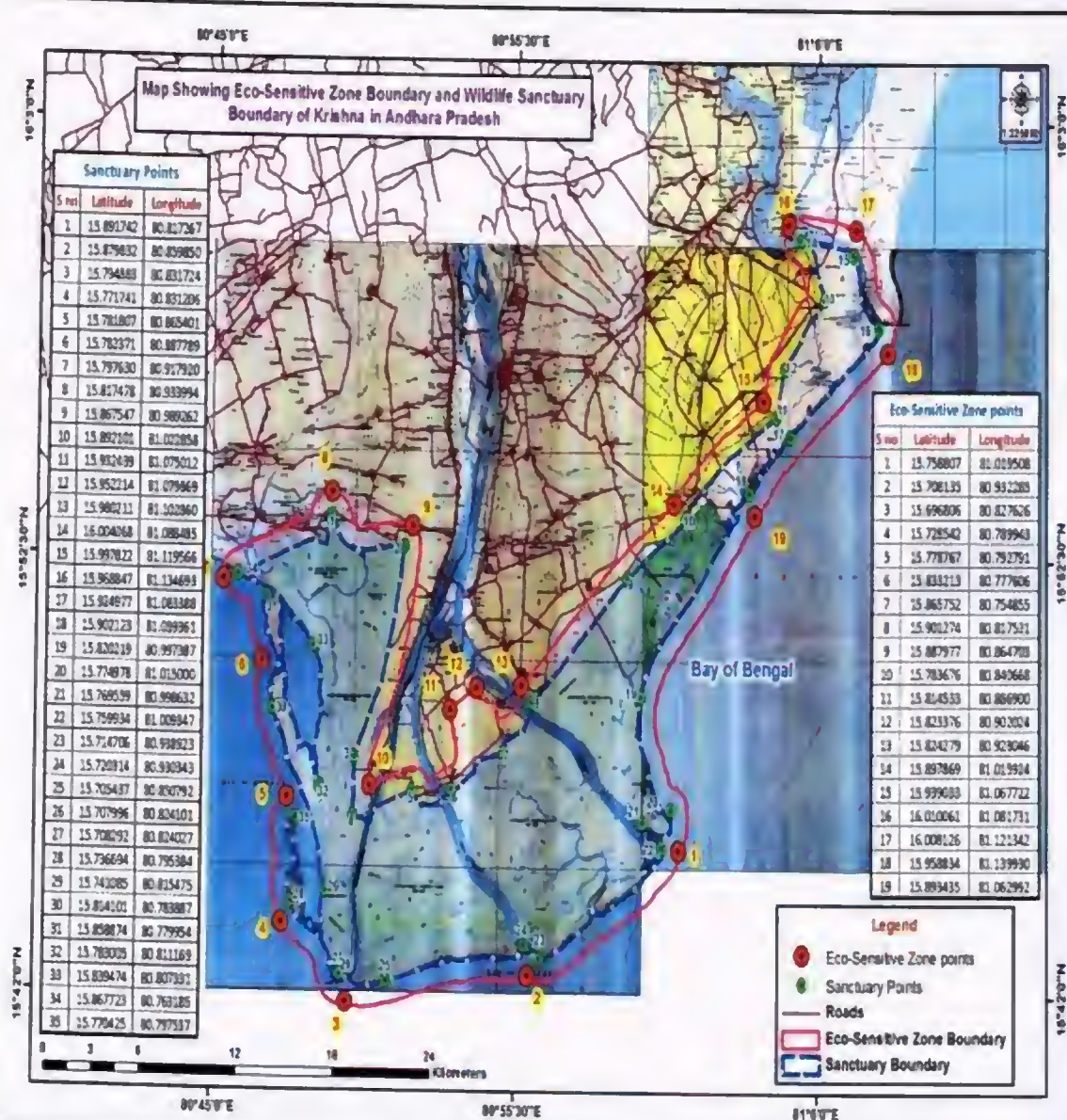
मुख्य अवस्थानों के अक्षांश और देशांतर के साथ कृष्णा वन्यजीव अभयारण्य के पारिस्थितिकी संवेदी जोन का गूगल मानचित्र





## उपाबंध-IIख

भारतीय सर्वेक्षण (एस ओ आई) टोपोशीट पर मुख्य अवस्थानों के अक्षांश और देशांतर के साथ पारिस्थितिकी संवेदी जोन और कृष्णा वन्यजीव अभयारण्य का मानचित्र



## उपाबंध-IIग

भारतीय सर्वेक्षण (एस ओ आई) टोपोशीट पर मुख्य अवस्थानों के अक्षांश और देशांतर के साथ कृष्णा वन्यजीव अभयारण्य के लिए पारिस्थितिकी संवेदी जोन का मानचित्र



## उपाबंध- III

## सारणी क: कृष्णा वन्यजीव अभयारण्य के मुख्य अवस्थानों के भू-निर्देशांक

| अभयारण्य निर्देशांक |             |             |
|---------------------|-------------|-------------|
| क्र.सं              | अक्षांश (उ) | देशांतर(पू) |
| 1                   | 15.86788    | 80.76352    |
| 2                   | 15.88125    | 80.80761    |
| 3                   | 15.88020    | 80.81455    |
| 4                   | 15.89009    | 80.81371    |
| 5                   | 15.89194    | 80.81659    |
| 6                   | 15.87597    | 80.83461    |
| 7                   | 15.87806    | 80.83592    |
| 8                   | 15.87983    | 80.85985    |
| 9                   | 15.84983    | 80.85397    |
| 10                  | 15.82574    | 80.84734    |
| 11                  | 15.80382    | 80.83582    |
| 12                  | 15.79488    | 80.83172    |
| 13                  | 15.77174    | 80.83121    |
| 14                  | 15.76921    | 80.84153    |
| 15                  | 15.77521    | 80.84419    |
| 16                  | 15.78162    | 80.86606    |
| 17                  | 15.77672    | 80.86866    |
| 18                  | 15.77630    | 80.88168    |
| 19                  | 15.78237    | 80.88779    |
| 20                  | 15.78152    | 80.88991    |
| 21                  | 15.78913    | 80.90057    |
| 22                  | 15.79431    | 80.90360    |
| 23                  | 15.79763    | 80.91792    |
| 24                  | 15.80266    | 80.91983    |
| 25                  | 15.80683    | 80.92990    |
| 26                  | 15.81826    | 80.93493    |
| 27                  | 15.84221    | 80.96168    |
| 28                  | 15.86486    | 80.98555    |
| 29                  | 15.89638    | 81.02494    |
| 30                  | 15.91767    | 81.04965    |
| 31                  | 15.93207    | 81.07428    |
| 32                  | 15.95176    | 81.07968    |
| 33                  | 15.96438    | 81.08986    |
| 34                  | 15.98021    | 81.10286    |
| 35                  | 16.00309    | 81.09405    |

| अभयारण्य निर्देशांक |             |             |
|---------------------|-------------|-------------|
| क्र.सं              | अक्षांश (उ) | देशांतर(पू) |
| 36                  | 16.00339    | 81.08811    |
| 37                  | 16.00437    | 81.09150    |
| 38                  | 15.99970    | 81.11701    |
| 39                  | 15.98170    | 81.12383    |
| 40                  | 15.96794    | 81.13469    |
| 41                  | 15.94721    | 81.10948    |
| 42                  | 15.92301    | 81.08145    |
| 43                  | 15.92359    | 81.07995    |
| 44                  | 15.91908    | 81.07616    |
| 45                  | 15.92008    | 81.07401    |
| 46                  | 15.91491    | 81.07162    |
| 47                  | 15.91352    | 81.06703    |
| 48                  | 15.90980    | 81.06642    |
| 49                  | 15.91049    | 81.06333    |
| 50                  | 15.90807    | 81.06534    |
| 51                  | 15.90206    | 81.05972    |
| 52                  | 15.90372    | 81.05560    |
| 53                  | 15.90130    | 81.05770    |
| 54                  | 15.90212    | 81.05444    |
| 55                  | 15.90130    | 81.05388    |
| 56                  | 15.89952    | 81.05621    |
| 57                  | 15.89637    | 81.05176    |
| 58                  | 15.89064    | 81.04731    |
| 59                  | 15.89105    | 81.04496    |
| 60                  | 15.88851    | 81.04645    |
| 61                  | 15.89183    | 81.05080    |
| 62                  | 15.89348    | 81.05326    |
| 63                  | 15.88995    | 81.05055    |
| 64                  | 15.88489    | 81.04673    |
| 65                  | 15.87726    | 81.03987    |
| 66                  | 15.86513    | 81.03101    |
| 67                  | 15.85461    | 81.02097    |
| 68                  | 15.84384    | 81.01079    |
| 69                  | 15.83421    | 81.00333    |
| 70                  | 15.82819    | 81.00029    |



|     |          |          |     |          |          |
|-----|----------|----------|-----|----------|----------|
| 71  | 15.82638 | 80.99908 | 111 | 15.70958 | 80.81884 |
| 72  | 15.82247 | 80.99818 | 112 | 15.71241 | 80.81865 |
| 73  | 15.81906 | 80.99685 | 113 | 15.71027 | 80.81984 |
| 74  | 15.81773 | 80.99547 | 114 | 15.70781 | 80.82334 |
| 75  | 15.81577 | 80.99647 | 115 | 15.70800 | 80.82410 |
| 76  | 15.79875 | 80.99838 | 116 | 15.71031 | 80.82275 |
| 77  | 15.78750 | 81.00222 | 117 | 15.71248 | 80.82007 |
| 78  | 15.78205 | 81.00537 | 118 | 15.71740 | 80.81715 |
| 79  | 15.77573 | 81.00808 | 119 | 15.72039 | 80.81469 |
| 80  | 15.77483 | 81.01109 | 120 | 15.72162 | 80.81416 |
| 81  | 15.77167 | 81.01349 | 121 | 15.72574 | 80.80666 |
| 82  | 15.77498 | 81.01410 | 122 | 15.72938 | 80.80061 |
| 83  | 15.76693 | 81.01534 | 123 | 15.73431 | 80.79638 |
| 84  | 15.76489 | 81.00864 | 124 | 15.74139 | 80.79430 |
| 85  | 15.76956 | 80.99863 | 125 | 15.74714 | 80.79406 |
| 86  | 15.76075 | 80.99863 | 126 | 15.74903 | 80.79596 |
| 87  | 15.75774 | 81.00014 | 127 | 15.74804 | 80.79665 |
| 88  | 15.75763 | 81.00207 | 128 | 15.74977 | 80.79828 |
| 89  | 15.75396 | 81.00019 | 129 | 15.74838 | 80.79890 |
| 90  | 15.75450 | 81.00327 | 130 | 15.74973 | 80.79982 |
| 91  | 15.75670 | 81.00696 | 131 | 15.74816 | 80.80059 |
| 92  | 15.75781 | 81.00873 | 132 | 15.74537 | 80.80049 |
| 93  | 15.76006 | 81.00755 | 133 | 15.74575 | 80.80157 |
| 94  | 15.76011 | 81.00904 | 134 | 15.74189 | 80.80245 |
| 95  | 15.75701 | 81.01027 | 135 | 15.73734 | 80.80259 |
| 96  | 15.74635 | 80.99861 | 136 | 15.72993 | 80.80345 |
| 97  | 15.73382 | 80.97766 | 137 | 15.72857 | 80.80539 |
| 98  | 15.73311 | 80.97213 | 138 | 15.72954 | 80.80698 |
| 99  | 15.73520 | 80.97210 | 139 | 15.72704 | 80.80890 |
| 100 | 15.73393 | 80.96860 | 140 | 15.72568 | 80.81145 |
| 101 | 15.72918 | 80.96743 | 141 | 15.72388 | 80.81407 |
| 102 | 15.71914 | 80.95160 | 142 | 15.73139 | 80.81290 |
| 103 | 15.71493 | 80.93771 | 143 | 15.74021 | 80.81422 |
| 104 | 15.71956 | 80.93472 | 144 | 15.74109 | 80.81547 |
| 105 | 15.72031 | 80.93034 | 145 | 15.74751 | 80.81339 |
| 106 | 15.71704 | 80.92899 | 146 | 15.76069 | 80.81092 |
| 107 | 15.71509 | 80.92012 | 147 | 15.77681 | 80.80437 |
| 108 | 15.71432 | 80.89004 | 148 | 15.78070 | 80.80140 |
| 109 | 15.70777 | 80.82938 | 149 | 15.79094 | 80.79469 |
| 110 | 15.70510 | 80.82223 | 150 | 15.80280 | 80.78972 |

|     |          |          |     |          |          |
|-----|----------|----------|-----|----------|----------|
| 151 | 15.81335 | 80.78421 | 181 | 15.82485 | 80.79130 |
| 152 | 15.82286 | 80.78273 | 182 | 15.81877 | 80.79120 |
| 153 | 15.82729 | 80.78431 | 183 | 15.79894 | 80.80035 |
| 154 | 15.82814 | 80.78531 | 184 | 15.79463 | 80.80656 |
| 155 | 15.82939 | 80.78587 | 185 | 15.78300 | 80.81117 |
| 156 | 15.82851 | 80.78763 | 186 | 15.79020 | 80.80933 |
| 157 | 15.83165 | 80.78722 | 187 | 15.79866 | 80.80846 |
| 158 | 15.83548 | 80.78636 | 188 | 15.80696 | 80.81000 |
| 159 | 15.84103 | 80.78284 | 189 | 15.81133 | 80.81256 |
| 160 | 15.84859 | 80.77984 | 190 | 15.81464 | 80.81185 |
| 161 | 15.85096 | 80.77978 | 191 | 15.81787 | 80.81260 |
| 162 | 15.85351 | 80.77822 | 192 | 15.82541 | 80.81177 |
| 163 | 15.85789 | 80.77896 | 193 | 15.83679 | 80.80914 |
| 164 | 15.85887 | 80.77995 | 194 | 15.83823 | 80.80919 |
| 165 | 15.85735 | 80.78174 | 195 | 15.85166 | 80.79493 |
| 166 | 15.85578 | 80.78281 | 196 | 15.86178 | 80.78167 |
| 167 | 15.85475 | 80.78198 | 197 | 15.86539 | 80.77218 |
| 168 | 15.85543 | 80.78377 | 198 | 15.86709 | 80.77307 |
| 169 | 15.85537 | 80.78478 | 199 | 15.86753 | 80.77243 |
| 170 | 15.85476 | 80.78513 | 200 | 15.76937 | 80.79459 |
| 171 | 15.85508 | 80.78646 | 201 | 15.77047 | 80.79732 |
| 172 | 15.85408 | 80.78723 | 202 | 15.76605 | 80.79646 |
| 173 | 15.85331 | 80.78819 | 203 | 15.76037 | 80.79689 |
| 174 | 15.85029 | 80.78829 | 204 | 15.75582 | 80.79850 |
| 175 | 15.84889 | 80.78871 | 205 | 15.75353 | 80.80018 |
| 176 | 15.84460 | 80.78760 | 206 | 15.75293 | 80.79839 |
| 177 | 15.83968 | 80.78832 | 207 | 15.75627 | 80.79585 |
| 178 | 15.83705 | 80.78959 | 208 | 15.76087 | 80.79403 |
| 179 | 15.83414 | 80.78907 | 209 | 15.76527 | 80.79318 |
| 180 | 15.83027 | 80.78994 |     |          |          |

**सारणी ख: पारिस्थितिकी संवेदी जोन के मुख्य अवस्थानों के भू-निर्देशांक**

| क्र.सं | अक्षांश (उ) | देशांतर(पू) |
|--------|-------------|-------------|
| 1      | 15.90086    | 80.81776    |
| 2      | 15.88762    | 80.86435    |
| 3      | 15.78332    | 80.84031    |
| 4      | 15.81418    | 80.88654    |
| 5      | 15.82302    | 80.90167    |

|    |          |          |
|----|----------|----------|
| 6  | 15.82392 | 80.92769 |
| 7  | 15.89751 | 81.01557 |
| 8  | 15.93868 | 81.06737 |
| 9  | 16.01013 | 81.08178 |
| 10 | 16.00749 | 81.12150 |
| 11 | 15.95851 | 81.13963 |
| 12 | 15.89308 | 81.06263 |
| 13 | 15.82232 | 81.00718 |
| 14 | 15.75817 | 81.01919 |
| 15 | 15.70778 | 80.93193 |
| 16 | 15.69664 | 80.82791 |
| 17 | 15.72800 | 80.79030 |
| 18 | 15.77841 | 80.79243 |
| 19 | 15.83286 | 80.77725 |
| 20 | 15.86540 | 80.75450 |

## उपाबंध-IV

**भू-निर्देशांकों के साथ कृष्णा वन्यजीव अभयारण्य के पारिस्थितिकी संवेदी जोन के  
अंतर्गत आने वाले ग्रामों की सूची**

| क्र.सं. | ग्राम का नाम        | अक्षांश - देशांतर                                     | टिप्पणी   |
|---------|---------------------|---|---|
| 1       | हमसालादेवी          | पू 15.991430 <sup>0</sup><br>उ 81.096012 <sup>0</sup> | ये ग्राम कृष्णा वन्यजीव अभयारण्य के पारिस्थितिकी संवेदी जोन के अंतर्गत यह ग्राम आते हैं जो सभी सीमा के चारों ओर 1 किलोमीटर की दूरी पर है। ग्रामों के भू-निर्देशांक जहां पारिस्थितिकी संवेदी जोन के स्टेशन चिह्नित किए गए हैं, अलग से प्रस्तुत किए गए हैं। |
| 2       | पलाकायतिप्पा        | पू 15.977840 <sup>0</sup><br>उ 81.099565 <sup>0</sup> |   |
| 3       | गोल्लापालेम         | पू 15.926709 <sup>0</sup><br>उ 81.060882 <sup>0</sup> |   |
| 4       | सोरलागोंडी          | पू 15.863822 <sup>0</sup><br>उ 80.967162 <sup>0</sup> |   |
| 5       | कम्मावारी पलेम पालम | पू 15.840329 <sup>0</sup><br>उ 80.919018 <sup>0</sup> |   |
| 6       | गोल्लालामोधा        | पू 15.829376 <sup>0</sup><br>उ 80.927899 <sup>0</sup> |   |
| 7       | इदुरूमोंदी          | पू 15.839223 <sup>0</sup><br>उ 80.888191 <sup>0</sup> |   |
| 8       | नाचुगुंटा           | पू 15.786658 <sup>0</sup><br>उ 80.888066 <sup>0</sup> |   |



|    |                |   |  |
|----|----------------|---|--|
| 9  | एलिचेटलडिब्बा  | पू 15.781129 <sup>0</sup><br>उ 80.873134 <sup>0</sup> |  |
| 10 | लंकावानिदीब्बा | पू 15,792388 <sup>0</sup><br>उ 80.840830 <sup>0</sup> |  |
| 11 | मोल्लागुंटा    | पू 15.886951 <sup>0</sup><br>उ 80.837566 <sup>0</sup> |  |
| 12 | भीमावारी पालम  | पू 15.891388 <sup>0</sup><br>उ 80.820711 <sup>0</sup> |  |
| 13 | कोथापालम       | पू 15.886638 <sup>0</sup><br>उ 80.796502 <sup>0</sup> |  |

**उपाबंध-V****की गई कार्रवाई की रिपोर्ट का रूप विधान**

1. बैठकों की संख्या और तारीख ।
2. बैठकों का कार्यवृत्त : (कृपया मुख्य उल्लेखनीय बिंदुओं का उल्लेख करें । बैठक के कार्यवृत्त को एक पृथक् उपाबंध में उपाबद्ध करें) ।
3. आंचलिक महायोजना की तैयारी की प्रास्थिति जिसके अंतर्गत पर्यटन महायोजना भी है।
4. भू-अभिलेख में सदृश्य त्रुटियों के सुधार के लिए व्यवहार किए गए मामलों का सारांश (पारिस्थितिकी संवेदी जोन वार) । ब्यौरे उपाबंध के रूप में संलग्न किए जाएं।
5. पर्यावरण समाघात निर्धारण अधिसूचना, 2006 के अधीन आने वाले क्रियाकलापों की संवीक्षा के मामलों का सारांश। (ब्यौरे एक पृथक् उपाबंध के रूप में संलग्न किए जाएं)।
6. पर्यावरण समाघात निर्धारण अधिसूचना, 2006 के अधीन न आने वाली गतिविधियों की संवीक्षा के मामलों का सारांश । (ब्यौरे एक पृथक् उपाबंध के रूप में संलग्न किए जाएं)।
7. पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 की धारा 19 के अधीन दर्ज की गई शिकायतों का सारांश ।
8. कोई अन्य महत्वपूर्ण विषय ।

## MINISTRY OF ENVIRONMENT, FOREST AND CLIMATE CHANGE

## NOTIFICATION

New Delhi, the 5<sup>th</sup> August, 2020

**S.O. 2632(E).**—WHEREAS, a draft notification was published in the Gazette of India, Extraordinary, *vide* notification of the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change number S.O. 4322 (E), dated the 28<sup>th</sup> November, 2019, inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby within the period of sixty days from the date on which copies of the Gazette containing the said notification were made available to the public;

**AND WHEREAS**, copies of the Gazette containing the said draft notification were made available to the public on the 29<sup>th</sup> November, 2019;

**AND WHEREAS**, no objections and suggestions were received from persons and stakeholders in response to the draft notification;

**AND WHEREAS**, Krishna Wildlife Sanctuary was declared under section 26(A) of Wildlife (Protection) Act, 1972 *vide* G.O.Ms.No.79 Environment, Forests, Science and Technology (For-III), dated the 27<sup>th</sup> June, 1998 of the Government of Andhra Pradesh; the total area of the Sanctuary is 194.81 square kilometers of which Nachugunta Block – II Reserved Forest (RF) of 8.7548 square kilometers is to be included in the Sanctuary area covering two Revenue districts, namely Krishna and Guntur in between 15° 42" to 16° 00" North and 80° 46" to 81° 08" East;

**AND WHEREAS**, the flora and fauna of Krishna Wildlife Sanctuary constitute a unique eco-system characterised by tidal forest (Mangrove) existing in the Krishna estuarine area; the mangroves with rivulet estuaries form a district habitat in the Krishna delta complex; the Mangroves are the salt tolerant forest eco-system found mainly in the tropical and sub-tropical intertidal regions of the world, having specific biological and geological characteristics and they are not only highly sensitive and productive zones, but also act as nursery grounds for shrimp, shellfish, fin-fish, etc; the flora and fauna occurring in the Mangrove forest have the special ability to tolerate various degrees of salinity; under favorable conditions the mangroves form an extensive productive eco-system of dense forests and also act as shelter belts and they are abode for a number of species of plants and animals associated with each other; and the inter-relationship between various species of plants and the animals in the Sanctuary is a matter of interest for study;

**AND WHEREAS**, the main type of forest is tidal forest (Mangrove Forest) with constituting species of *Avicenia officianalis*, *Avicenia marina*, *Avicenia alba*, *Rhizophora conjugate*, *Exocaria agallocha*, *Lumintzera racemosa*, *Aegiceras corniculatum*, *Acanthus illicifolius*, *Criops roxburghiana*, *Bruguiera conjugate*, *Carapa moleccensis*, *Dalbergia spinosa*, *Derris uliginosa*, *A canthus illicifolius*, *Sesuvium portulacastrum*, *Suaeda nudiflora*, *Suaeda monovica*, *Salicornia brachiata*, *Myrio stachya*, etc ; the major fauna available in the Sanctuary are great crested grebe, little grebe, Indian shag, little cormorant, purple heron, pond heron, large egret, cattle egret, Indian roof heron, night heron, chestnut bittern, yellow bittern, glossy ibis, spotted billed duck, mallard, shoveller, red-crested pochard, tufted duck, comb duck, black winged kite, Indian moorhen, coot or common coot, pheasant tiled jacana, black winged stilt, red wattled lapwing, golden plover, large sand plover, ringed plover, common sandpiper, pintail snipe, Jack snipe, little stint, little tern, blue rock pigeon, ringdove, pied crested cuckoo, Indian cuckoo, pied kingfisher, swallow, rosy pastor, grey headed myna, red vented bulbul, spotted babbler, large bush warbler, ashy wren warbler, brown leaf warbler, red start, pied bush chat, purple sunbird, white pelican, darter, spoon bill, rhesus monkey, pond or green frog, tree frog, house gecko, wall lizard, garden lizard, striped keel back, olive keel back, cobra, Russels viper, hook nosed sea snake, hawksbill sea, estuarine crocodile, etc.; and Olive Ridley turtles are also breeding in the Sanctuary and the conservation of sea turtles (Olive Ridley) has become an important activity in the Sanctuary for the last three years;

**AND WHEREAS**, it is necessary to conserve and protect the area, the extent and boundaries of which are specified in paragraph 1, around the Krishna Wildlife Sanctuary as Eco-sensitive Zone from ecological, environmental and biodiversity point of view and to prohibit industries or class of industries and their operations and processes in the said Eco-sensitive Zone;

**NOW, THEREFORE**, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) and clauses (v) and (xiv) of sub-section (2) and sub-section (3) of Section 3 of the Environment (Protection) Act 1986 (29 of 1986) (hereafter in this notification referred to as the Environment Act) read with sub-rule (3) of rule 5 of the Environment (Protection) Rules, 1986, the Central Government hereby notifies an area to an extent of 1.0 kilometre to 2.90 kilometres around the boundary of Krishna Wildlife Sanctuary, in Krishna and Guntur districts in the State of Andhra Pradesh as the Krishna Wildlife Sanctuary Eco-sensitive Zone (hereafter in this notification referred to as the Eco-sensitive Zone) details of which are as under, namely: -

1. **Extent and boundaries of Eco-sensitive Zone.** – (1) The Eco-sensitive Zone shall be to an extent of 1.0 kilometre uniform around the boundary of Krishna Wildlife Sanctuary except at one point on the northern boundary i.e. between survey stations 11 and 12, where Nachugunta Reserve Forest Block is included in the Eco-sensitive Zone, where the extent is 2.90 kilometers; and the area of the Eco-sensitive Zone is 175.33 square kilometers.
- (2) The boundary description of Krishna Wildlife Sanctuary and its Eco-sensitive Zone is appended in **Annexure-I**.
- (3) The maps of the Krishna Wildlife Sanctuary demarcating Eco-sensitive Zone along with boundary details and latitudes and longitudes are appended as **Annexure-IIA, Annexure-IIB** and **Annexure-IIC**.
- (4) Lists of geo-coordinates of the boundary of Krishna Wildlife Sanctuary and Eco-sensitive Zone are given in Table **A** and Table **B** of **Annexure III**.
- (5) The list of villages falling in the proposed Eco-sensitive Zone along with their geo co-ordinates at prominent points is appended as **Annexure-IV**.
2. **Zonal Master Plan for Eco-sensitive Zone.**-(1) The State Government shall, for the purposes of the Eco-sensitive Zone prepare a Zonal Master Plan within a period of two years from the date of publication of this notification in the Official Gazette, in consultation with local people and adhering to the stipulations given in this notification for approval of the competent authority in the State.
- (2) The Zonal Master Plan for the Eco-sensitive Zone shall be prepared by the State Government in such manner as is specified in this notification and also in consonance with the relevant Central and State laws and the guidelines issued by the Central Government, if any.
- (3) The Zonal Master Plan shall be prepared in consultation with the following Departments of the State Government, for integrating the ecological and environmental considerations into the said plan:-
  - (i) Environment;
  - (ii) Forest and Wildlife;
  - (iii) Agriculture;
  - (iv) Revenue;
  - (v) Urban Development;
  - (vi) Tourism;
  - (vii) Rural Development;
  - (viii) Irrigation and Flood Control;
  - (ix) Municipal Administration;
  - (x) Roads & Buildings;
  - (xi) Andhra Pradesh State Pollution Control Board;
  - (xii) Ports;
  - (xiii) Fisheries;
  - (xiv) Industries;
  - (xv) APTRANSCO;
  - (xvi) Railway;
  - (xvii) Panchayati Raj; and
  - (xviii) Public Works Department.
- (4) The Zonal Master Plan shall not impose any restriction on the approved existing land use, infrastructure and activities, unless so specified in this notification and the Zonal Master Plan shall factor in improvement of all infrastructure and activities to be more efficient and eco-friendly.
- (5) The Zonal Master Plan shall provide for restoration of denuded areas, conservation of existing water bodies, management of catchment areas, watershed management, groundwater management, soil and moisture

conservation, needs of local community and such other aspects of the ecology and environment that need attention.

- (6) The Zonal Master Plan shall demarcate all the existing worshipping places, villages and urban settlements, types and kinds of forests, agricultural areas, fertile lands, green area, such as, parks and like places, horticultural areas, orchards, lakes and other water bodies with supporting maps giving details of existing and proposed land use features.
- (7) The Zonal Master Plan shall regulate development in Eco-sensitive Zone and adhere to prohibited and regulated activities listed in the Table in paragraph 4 and also ensure and promote eco-friendly development for security of local communities' livelihood.
- (8) The Zonal Master Plan shall be co-terminus with the Regional Development Plan.
- (9) The Zonal Master Plan so approved shall be the reference document for the Monitoring Committee for carrying out its functions of monitoring in accordance with the provisions of this notification.

**3. Measures to be taken by State Government.-** The State Government shall take the following measures for giving effect to the provisions of this notification, namely:-

- (1) **Land use.**— (a) Forests, horticulture areas, agricultural areas, parks and open spaces earmarked for recreational purposes in the Eco-sensitive Zone shall not be used or converted into areas for commercial or residential or industrial activities:

Provided that the conversion of agricultural and other lands, for the purposes other than that specified in clause (a) above, within the Eco-sensitive Zone may be permitted on the recommendation of the Monitoring Committee, and with the prior approval of the competent authority under Regional Town Planning Act and other rules and regulations of Central Government or State Government as applicable and *vide* provisions of this notification, to meet the residential needs of the local residents and for activities such as -

- (i) widening and strengthening of existing roads and construction of new roads;
- (ii) construction and renovation of infrastructure and civic amenities;
- (iii) small scale industries not causing pollution;
- (iv) cottage industries including village industries; convenience stores and local amenities supporting eco-tourism including home stay; and
- (v) promoted activities given in paragraph 4:

Provided further that no use of tribal land shall be permitted for commercial and industrial development activities without the prior approval of the competent authority under Regional Town Planning Act and other rules and regulations of the State Government and without compliance of the provisions of article 244 of the Constitution or the law for the time being in force, including the Scheduled Tribes and Other Traditional Forest Dwellers (Recognition of Forest Rights) Act, 2006 (2 of 2007):

Provided also that any error appearing in the land records within the Eco-sensitive Zone shall be corrected by the State Government, after obtaining the views of Monitoring Committee, once in each case and the correction of said error shall be intimated to the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change:

Provided also that the correction of error shall not include change of land use in any case except as provided under this sub-paragraph.

(b) Efforts shall be made to reforest the unused or unproductive agricultural areas with afforestation and habitat restoration activities.

- (2) **Natural water bodies.**—The catchment areas of all natural springs shall be identified and plans for their conservation and rejuvenation shall be incorporated in the Zonal Master Plan and the guidelines shall be drawn up by the State Government in such a manner as to prohibit development activities at or near these areas which are detrimental to such areas.
- (3) **Tourism or eco-tourism.**— (a) All new eco-tourism activities or expansion of existing tourism activities within the Eco-sensitive Zone shall be as per the Tourism Master Plan for the Eco-sensitive Zone.
- (b) The Tourism Master Plan shall be prepared by the State Department of Tourism in consultation with the State Departments of Environment and Forests.

- (c) The Tourism Master Plan shall form a component of the Zonal Master Plan.
- (d) The Tourism Master Plan shall be drawn based on the study of carrying capacity of the Eco-sensitive Zone.
- (e) The activities of eco-tourism shall be regulated as under, namely:-
  - (i) new construction of hotels and resorts shall not be allowed within one kilometre from the boundary of the protected area or upto the extent of the Eco-sensitive Zone, whichever is nearer:

Provided that beyond the distance of one kilometre from the boundary of the protected area till the extent of the Eco-sensitive Zone, the establishment of new hotels and resorts shall be allowed only in pre-defined and designated areas for eco-tourism facilities as per Tourism Master Plan;

- (ii) all new tourism activities or expansion of existing tourism activities within the Eco-sensitive Zone shall be in accordance with the guidelines issued by the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change and the eco-tourism guidelines issued by the National Tiger Conservation Authority (as amended from time to time) with emphasis on eco-tourism, eco-education and eco-development;
  - (iii) until the Zonal Master Plan is approved, development for tourism and expansion of existing tourism activities shall be permitted by the concerned regulatory authorities based on the actual site specific scrutiny and recommendation of the Monitoring Committee and no new hotel, resort or commercial establishment construction shall be permitted within Eco-sensitive Zone area.
- (4) **Natural heritage.-** All sites of valuable natural heritage in the Eco-sensitive Zone, such as the gene pool reserve areas, rock formations, waterfalls, springs, gorges, groves, caves, points, walks, rides, cliffs, etc. shall be identified and a heritage conservation plan shall be drawn up for their preservation and conservation as a part of the Zonal Master Plan.
- (5) **Man-made heritage sites.-** Buildings, structures, artefacts, areas and precincts of historical, architectural, aesthetic, and cultural significance shall be identified in the Eco-sensitive Zone and heritage conservation plan for their conservation shall be prepared as part of the Zonal Master Plan.
- (6) **Noise pollution. -** Prevention and control of noise pollution in the Eco-sensitive Zone shall be carried out in accordance with the provisions of the Noise Pollution (Regulation and Control) Rules, 2000 under the Environment Act.
- (7) **Air pollution.-** Prevention and control of air pollution in the Eco-sensitive Zone shall be carried out in accordance with the provisions of the Air (Prevention and Control of Pollution) Act, 1981 (14 of 1981) and the rules made thereunder.
- (8) **Discharge of effluents. -** Discharge of treated effluent in Eco-sensitive Zone shall be in accordance with the provisions of the General Standards for Discharge of Environmental Pollutants covered under the Environment Act and the rules made thereunder or standards stipulated by State Government whichever is more stringent.
- (9) **Solid wastes.-** Disposal and management of solid wastes shall be as under:-
  - (a) the solid waste disposal and management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out in accordance with the Solid Waste Management Rules, 2016, published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number S.O. 1357 (E), dated the 8<sup>th</sup> April, 2016; the inorganic material may be disposed in an environmental acceptable manner at site identified outside the Eco-sensitive Zone;
  - (b) safe and Environmentally Sound Management (ESM) of Solid wastes in conformity with the existing rules and regulations using identified technologies may be allowed within Eco-sensitive Zone.
- (10) **Bio-Medical Waste.-** Bio-Medical Waste Management shall be as under:-
  - (a) the Bio-Medical Waste disposal in the Eco-sensitive Zone shall be carried out in accordance with the Bio-Medical Waste Management Rules, 2016, published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number G.S.R. 343 (E), dated the 28<sup>th</sup> March, 2016.
  - (b) safe and Environmentally Sound Management of Bio-Medical Wastes in conformity with the existing rules and regulations using identified technologies may be allowed within the Eco-sensitive Zone.



- (11) **Plastic waste management.**- The plastic waste management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the Plastic Waste Management Rules, 2016, published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number G.S.R. 340(E), dated the 18<sup>th</sup> March, 2016, as amended from time to time.
- (12) **Construction and demolition waste management.**- The construction and demolition waste management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the Construction and Demolition Waste Management Rules, 2016, published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change *vide* notification number G.S.R. 317(E), dated the 29<sup>th</sup> March, 2016, as amended from time to time.
- (13) **E-waste.**- The e - waste management in the Eco-sensitive Zone shall be carried out as per the provisions of the E-Waste Management Rules, 2016, published by the Government of India in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change, as amended from time to time.
- (14) **Vehicular traffic.**- The vehicular movement of traffic shall be regulated in a habitat friendly manner and specific provisions in this regard shall be incorporated in the Zonal Master Plan and till such time as the Zonal Master plan is prepared and approved by the competent authority in the State Government, the Monitoring Committee shall monitor compliance of vehicular movement under the relevant Acts and the rules and regulations made thereunder.
- (15) **Vehicular pollution.**- Prevention and control of vehicular pollution shall be in compliance with applicable laws and efforts shall be made for use of cleaner fuels.
- (16) **Industrial units.**- (i) On or after the publication of this notification in the Official Gazette, no new polluting industries shall be permitted to be set up within the Eco-sensitive Zone.
- (ii) Only non-polluting industries shall be allowed within Eco-sensitive Zone as per the classification of Industries in the guidelines issued by the Central Pollution Control Board in February, 2016, unless so specified in this notification, and in addition, the non-polluting cottage industries shall be promoted.
- (17) **Protection of hill slopes.**- The protection of hill slopes shall be as under:-
- (a) the Zonal Master Plan shall indicate areas on hill slopes where no construction shall be permitted;
- (b) construction on existing steep hill slopes or slopes with a high degree of erosion shall not be permitted.
4. **List of activities prohibited or to be regulated within Eco-sensitive Zone.**- All activities in the Eco sensitive Zone shall be governed by the provisions of the Environment Act and the rules made thereunder including the Coastal Regulation Zone, 2011 and the Environmental Impact Assessment Notification, 2006 and other applicable laws including the Forest (Conservation) Act, 1980 (69 of 1980), the Indian Forest Act, 1927 (16 of 1927), the Wildlife (Protection) Act 1972 (53 of 1972), and amendments made thereto and be regulated in the manner specified in the Table below, namely:-

TABLE

(18)

| S. No. | Activity   | Description   |
|--------|--|---|
| (1)    | (2)  | (3)   |
| 1.     | Commercial mining, stone quarrying and crushing units. | <p>(a) All new and existing mining (minor and major minerals), stone quarrying and crushing units shall be prohibited with immediate effect except for meeting the domestic needs of bona fide local residents including digging of earth for construction or repair of houses and for manufacture of country tiles or bricks for housing and for other activities;</p> <p>(b) The mining operations shall be carried out in accordance with the order of the Hon'ble Supreme Court dated the 4<sup>th</sup> August, 2006 in the matter of T.N. Godavarman Thirumulpad Vs. UOI in W.P.(C)</p> |



|                                |  |   |
|--------------------------------|--|---|
|                                |  | No.202 of 1995 and dated the 21 <sup>st</sup> April, 2014 in the matter of Goa Foundation Vs. UOI in W.P.(C) No.435 of 2012.  |
| 2.                             | Setting of industries causing pollution (Water, Air, Soil, Noise, etc.). | New industries and expansion of existing polluting industries in the Eco-sensitive Zone shall not be permitted:<br>Provided that non-polluting industries shall be allowed within Eco-sensitive Zone as per classification of Industries in the guidelines issued by the Central Pollution Control Board in February, 2016, unless otherwise specified in this notification and in addition the non-polluting cottage industries shall be promoted.   |
| 3.                             | Establishment of major hydro-electric project.                           | Prohibited (except as otherwise provided) as per the applicable laws.   |
| 4.                             | Use or production or processing of any hazardous substances.             | Prohibited (except as otherwise provided) as per the applicable laws.   |
| 5.                             | Discharge of untreated effluents in natural water bodies or land area.   | Prohibited (except as otherwise provided) as per the applicable laws.   |
| 6.                             | Setting up of new saw mills.   | New or expansion of existing saw mills shall not be permitted within the Eco-sensitive Zone.  |
| 7.                             | Setting up of brick kilns.   | Prohibited (except as otherwise provided) as per the applicable laws.   |
| <b>B. Regulated Activities</b> |  |   |
| 8.                             | Commercial establishment of hotels and resorts.                          | No new commercial hotels and resorts shall be permitted within one kilometer of the boundary of the protected area or upto the extent of Eco-sensitive Zone, whichever is nearer, except for small temporary structures for eco-tourism activities:<br>Provided that, beyond one kilometer from the boundary of the protected area or upto the extent of Eco-sensitive Zone, whichever is nearer, all new tourist activities or expansion of existing activities shall be in conformity with the Tourism Master Plan and guidelines as applicable.  |
| 9.                             | Construction activities.   | (a) New commercial construction of any kind shall not be permitted within one kilometer from the boundary of the protected area or upto extent of the Eco-sensitive Zone, whichever is nearer:<br>Provided that, local people shall be permitted to undertake construction in their land for their use including the activities mentioned in sub-paragraph (1) of paragraph 3 as per building bye-laws to meet the residential needs of the local residents:<br>Provided further that the construction activity related to small scale industries not causing pollution shall be regulated and kept at the minimum, with the prior permission from the competent authority as per applicable rules and regulations, if any.<br><br>(b) Beyond one kilometer it shall be regulated as per the Zonal Master Plan. |
| 10.                            | Small scale nonpolluting industries.                                     | Nonpolluting industries as per classification of industries issued by the Central Pollution Control Board in February, 2016 and non-hazardous, small-scale and  |

|                               |   |   |
|-------------------------------|---|---|
|                               |   | service industry, agriculture, floriculture, horticulture or agro-based industry producing products from indigenous materials from the Eco-sensitive Zone shall be permitted by the competent authority.  |
| 11.                           | Felling of trees.   | (a) There shall be no felling of trees in the forest or Government or revenue or private lands without prior permission of the competent authority in the State Government.<br>(b) The felling of trees shall be regulated in accordance with the provisions of the concerned Central or State Act and the rules made thereunder. |
| 12.                           | Collection of Forest Produce or Non-Timber Forest Produce.  | Regulated as per the applicable laws.   |
| 13.                           | Erection of electrical and communication towers and laying of cables and other infrastructures.   | Regulated under applicable laws (underground cabling may be promoted).  |
| 14.                           | Infrastructure including civic amenities.   | Taking measures of mitigation as per the applicable laws, rules, regulations and available guidelines.  |
| 15.                           | Widening and strengthening of existing roads and construction of new roads.   | Taking measures of mitigation as per the applicable laws, rules, regulations and available guidelines.  |
| 16.                           | Undertaking other activities related to tourism like flying over the Eco-sensitive Zone area by hot air balloon, helicopter, drones, microlites, etc. | Regulated as per the applicable laws.   |
| 17.                           | Protection of hill slopes and river banks.  | Regulated as per the applicable laws.   |
| 18.                           | Movement of vehicular traffic at night.   | Regulated for commercial purpose under applicable laws.   |
| 19.                           | Ongoing agriculture and horticulture practices by local communities along with dairies, dairy farming, aquaculture and fisheries.                     | Permitted as per the applicable laws for use of locals.   |
| 20.                           | Establishment of large-scale commercial livestock and poultry farms by firms, corporate and companies.  | Regulated (except otherwise provided) as per the applicable laws except for meeting local needs.  |
| 21.                           | Discharge of treated waste water or effluents in natural water bodies or land area.   | The discharge of treated waste water or effluents shall be avoided to enter into the water bodies and efforts shall be made for recycle and reuse of treated waste water. Otherwise the discharge of treated waste water or effluent shall be regulated as per the applicable laws.   |
| 22.                           | Commercial extraction of surface and ground water.  | Regulated as per the applicable laws.   |
| 23.                           | Solid waste management.   | Regulated as per the applicable laws.   |
| 24.                           | Introduction of exotic species.   | Regulated as per the applicable laws.   |
| 25.                           | Eco-tourism.  | Regulated as per the applicable laws.   |
| 26.                           | Use of polythene bags.  | Regulated as per the applicable laws.   |
| 27.                           | Commercial sign boards and hoardings.   | Regulated as per the applicable laws.   |
| 28.                           | Use of explosives for developmental activities.   | Regulated as per the applicable laws.   |
| <b>C. Promoted Activities</b> |   |   |

|     |   |  |
|-----|---|--|
| 29. | Rain water harvesting.                              | Shall be actively promoted.                            |
| 30. | Organic farming.                                    | Shall be actively promoted.                            |
| 31. | Adoption of green technology for all activities.    | Shall be actively promoted.                            |
| 32. | Cottage industries including village artisans, etc. | Shall be actively promoted.                            |
| 33. | Use of renewable energy and fuels.                  | Bio-gas, solar light, etc. shall be actively promoted. |
| 34. | Agro-Forestry.                                      | Shall be actively promoted.                            |
| 35. | Plantation of Horticulture and Herbals.             | Shall be actively promoted.                            |
| 36. | Use of eco-friendly transport.                      | Shall be actively promoted.                            |
| 37. | Skill Development.                                  | Shall be actively promoted.                            |
| 38. | Restoration of degraded land/ forests/ habitat.     | Shall be actively promoted.                            |
| 39. | Environmental awareness.                            | Shall be actively promoted.                            |

- 5. Monitoring Committee for Monitoring Eco-sensitive Zone Notification.**- For effective monitoring of the provisions of this notification, under sub-section (3) of section 3 of the Environment (Protection) Act, 1986, the Central Government hereby constitutes a Monitoring Committee, comprising of the following, namely:-

| S. No. | Constituent of the Monitoring Committee   | Designation           |
|--------|---|-----------------------|
| (i)    | District Collectors of respective Divisional Forest Officers  | Chairman, ex officio; |
| (ii)   | A representative of Non-Governmental Organisation working in the field of wildlife conservation to be nominated by the State Government | Member;               |
| (iii)  | Environmental Engineer, Vijayawada, Andhra Pradesh State Pollution Control Board  | Member;               |
| (iv)   | Municipal Commissioner, Krishna and Guntur  | Member;               |
| (v)    | Divisional Forest Officer, Wildlife Management, Eluru   | Member;               |
| (vi)   | An expert in Biodiversity nominated by the State Government   | Member;               |
| (vii)  | One expert in Ecology from reputed institution or university of the State   | Member;               |
| (viii) | Director of Ports, Nizampatnam Port, Nizampatnam  | Member;               |
| (ix)   | General Manager, DIC, Vijayawada  | Member;               |
| (x)    | Deputy Director, Fisheries, Machilipatnam   | Member;               |
| (xi)   | District Wildlife Warden, Krishna (T) Vijayawada, Guntur (T) Guntur   | Member-Secretary.     |

- 6. Terms of reference.** – (1) The Monitoring Committee shall monitor the compliance of the provisions of this notification.

- (2) The tenure of the Monitoring committee shall be for three years or till the re-constitution of the new Monitoring Committee by the State Government and subsequently the Monitoring Committee shall be constituted by the State Government.
- (3) The activities that are covered in the Schedule to the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Environment and Forests number S.O. 1533 (E), dated the 14<sup>th</sup> September, 2006, and are falling in the Eco-sensitive Zone, except for the prohibited activities as specified in the Table under paragraph 4 thereof, shall be scrutinised by the Monitoring Committee based on the actual site-specific conditions and referred to the Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change for prior environmental clearances under the provisions of the said notification.
- (4) The activities that are not covered in the Schedule to the notification of the Government of India in the erstwhile Ministry of Environment and Forest number S.O. 1533 (E), dated the 14<sup>th</sup> September, 2006 and are falling in the Eco-sensitive Zone, except for the prohibited activities as specified in the Table under paragraph 4 thereof, shall be scrutinised by the Monitoring Committee based on the actual site-specific conditions and referred to the concerned regulatory authorities.
- (5) The Member-Secretary of the Monitoring Committee or the concerned Deputy Commissioner(s) shall be competent to file complaints under section 19 of the Environment Act, against any person who contravenes the provisions of this notification.

- (6) The Monitoring Committee may invite representatives or experts from concerned Departments, representatives from industry associations or concerned stakeholders to assist in its deliberations depending on the requirements on issue to issue basis.
- (7) The Monitoring Committee shall submit the annual action taken report of its activities as on the 31<sup>st</sup> March of every year by the 30<sup>th</sup> June of that year to the Chief Wildlife Warden in the State as per proforma appended at Annexure V.
- (8) The Central Government in the Ministry of Environment, Forest and Climate Change may give such directions, as it deems fit, to the Monitoring Committee for effective discharge of its functions.

**7. Additional measures.-** The Central Government and State Government may specify additional measures, if any, for giving effect to provisions of this notification.

**8. Supreme Court, etc. Orders.-** The provisions of this notification shall be subject to the orders, if any passed or to be passed by the Hon'ble Supreme Court of India or High Court or the National Green Tribunal.

[F. No. 25/40/2018-ESZ]

Dr. SATISH C. GARKOTI, Scientist 'G'

#### ANNEXURE- I

#### BOUNDARY DESCRIPTION OF KRISHNA WILDLIFE SANCTUARY AND ECO-SENSITIVE ZONE OF THE KRISHNA WILDLIFE SANCTUARY

- L to K: The Eco-sensitive Zone boundary starts at Station 'L' (Lat: 15.8713<sup>0</sup> – Long: 80.7645<sup>0</sup>), in Kothapalem Reserve Forest on the bank of Bay of Bengal 1 kilometer away from the Sanctuary boundary and runs parallel in westerly direction till it reaches point 'K' (Lat: 15.9344<sup>0</sup> – Long: 80.8177<sup>0</sup>) near Kothapalem village.
- K to J: Then, the Eco-sensitive Zone boundary traverses in south easterly direction to station 'J' (Lat: 15.8871<sup>0</sup> – Long: 80.8340<sup>0</sup>) near Mollagunta village.
- J to I: Then the Eco-sensitive Zone boundary traverses in westerly direction to station 'I' (Lat: 15.8798<sup>0</sup> – Long: 80.8692<sup>0</sup>) near Mrutunjayapalem village.
- I to H: Then the boundary line traverses from 'I' in southerly direction till it reaches station 'H' (Lat: 15.8040<sup>0</sup> – Long: 80.8445<sup>0</sup>) near Lankavanidibba Village.
- H to G: Then the boundary line traverses from 'H' in southerly direction till it reaches station 'G' (Lat: 15.7698<sup>0</sup> – Long: 80.8398<sup>0</sup>) near the Bank of River Krishna, where it turns eastwards to cross river Krishna.
- G to F: Then the boundary line crosses river Krishna enters into Krishna District and joins station 'F' (Lat: 15.7896<sup>0</sup> – Long: 80.8670<sup>0</sup>) near the Elichetladibba Village and runs parallel to the sanctuary boundary in north – easterly direction.
- F to E: Then the boundary line crosses Nadiperu (An arm of river Krishna) and enters into Nachugunta Island and joins station 'E' (Lat: 15.7894<sup>0</sup> – Long: 80.8874<sup>0</sup>) near the Nachugunta Village and joins the south – west corner of Nachugunta Block-II.
- E to D: Then the boundary line runs along the boundary line of Nachugunta R.F. Block-II encircling the hole block and reaches the north – eastern corner of the block and runs parallel at a distance of 1KM from the sanctuary boundary and crosses Ballaleru (another arm of river Krishna) and enters into station 'D' (Lat: 15.8692<sup>0</sup> – Long: 80.9692<sup>0</sup>) near Etimoga village.
- D to C: Then the Eco-sensitive Zone boundary line runs in north – eastern direction 1KM parallel to the sanctuary boundary line and joins station 'C' (Lat: 15.8962<sup>0</sup> – Long: 80.0162<sup>0</sup>) near Sangameswaram village.
- C to B: Then the Eco-sensitive Zone boundary line runs in north – eastern direction 1KM parallel to the sanctuary boundary line and joins station 'B' (Lat: 15.9375<sup>0</sup> – Long: 80.0696<sup>0</sup>) near Subhadrapuram village.
- B to A: Then the Eco-sensitive Zone boundary line runs in north – eastern direction 1 kilometre parallel to the sanctuary boundary line and joins station 'A' (Lat: 15.9936<sup>0</sup> – Long: 80.0881<sup>0</sup>) near Hamsaladeevi village. Then the Eco-sensitive Zone boundary line reaches river Krishna the first arm and crosses the river and follows the eastern bund of river Krishna till it reaches Bay of Bengal.



Then the Eco-sensitive Zone boundary line traverses 1KM parallel to the sanctuary boundary in Bay of Bengal all along the Seaward side of the Sanctuary, encircling it and joins the starting point station 'L' (Lat: 15.8713<sup>0</sup> – Long: 80.7645<sup>0</sup>) in Guntur District and closes.

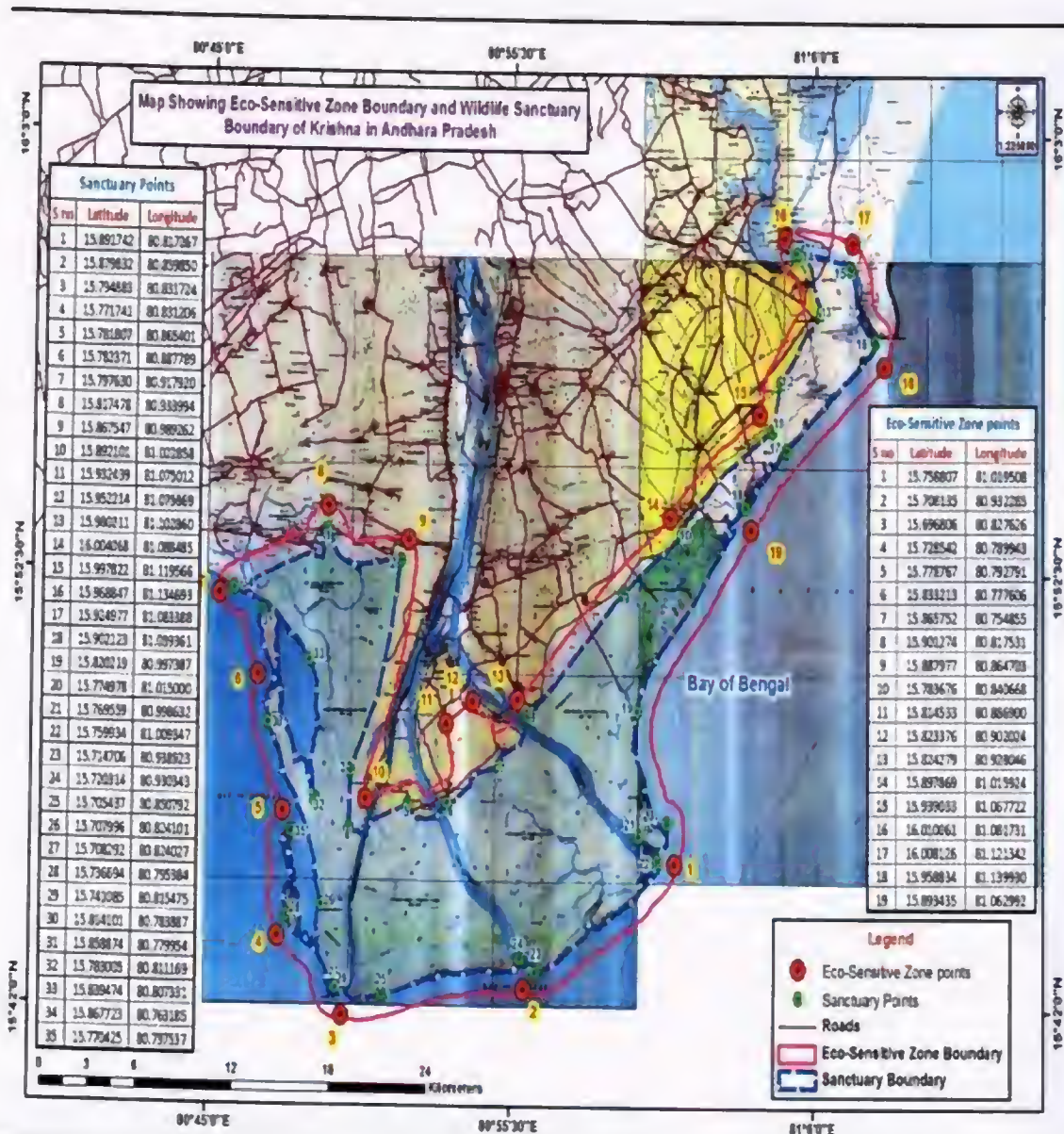
## ANNEXURE- IIA

**GOOGLE MAP OF ECO-SENSITIVE ZONE OF KRISHNA WILDLIFE SANCTUARY ALONG WITH  
LATITUDE AND LONGITUDE OF PROMINENT LOCATIONS**



## ANNEXURE- IIB

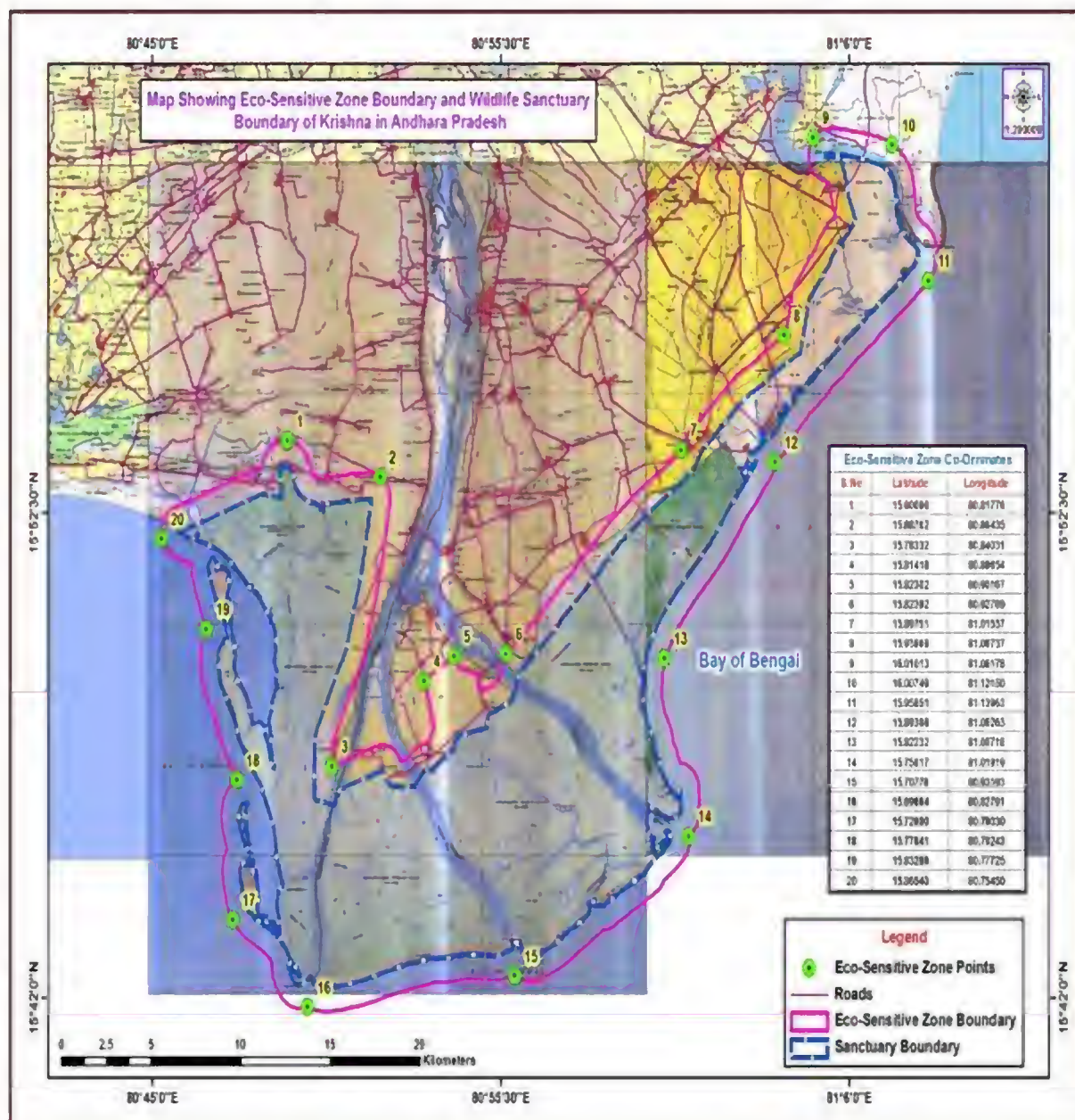
**MAP OF KRISHNA WILDLIFE SANCTUARY AND ITS ECO-SENSITIVE ZONE OF ALONG WITH  
LATITUDE AND LONGITUDE OF PROMINENT LOCATIONS ON SURVEY OF INDIA (SOI)  
TOPOSHEET**





## ANNEXURE- IIC

MAP OF ECO-SENSITIVE ZONE FOR KRISHNA WILDLIFE SANCTUARY ALONG WITH LATITUDE AND LONGITUDE OF PROMINENT LOCATIONS ON SURVEY OF INDIA (SOI) TOPOSHEET



## ANNEXURE-III

**TABLE A: GEO-COORDINATES OF PROMINENT LOCATIONS OF KRISHNA WILDLIFE  
SANCTUARY**

| Sanctuary Co-ordinates |               |                | Sanctuary Co-ordinates |                |                |
|------------------------|---------------|----------------|------------------------|----------------|----------------|
| S. No.                 | Latitudes (N) | Longitudes (E) | S. No.                 | Longitudes (E) | Longitudes (E) |
| 1                      | 15.86788      | 80.76352       | 36                     | 16.00339       | 81.08811       |
| 2                      | 15.88125      | 80.80761       | 37                     | 16.00437       | 81.09150       |
| 3                      | 15.88020      | 80.81455       | 38                     | 15.99970       | 81.11701       |
| 4                      | 15.89009      | 80.81371       | 39                     | 15.98170       | 81.12383       |
| 5                      | 15.89194      | 80.81659       | 40                     | 15.96794       | 81.13469       |
| 6                      | 15.87597      | 80.83461       | 41                     | 15.94721       | 81.10948       |
| 7                      | 15.87806      | 80.83592       | 42                     | 15.92301       | 81.08145       |
| 8                      | 15.87983      | 80.85985       | 43                     | 15.92359       | 81.07995       |
| 9                      | 15.84983      | 80.85397       | 44                     | 15.91908       | 81.07616       |
| 10                     | 15.82574      | 80.84734       | 45                     | 15.92008       | 81.07401       |
| 11                     | 15.80382      | 80.83582       | 46                     | 15.91491       | 81.07162       |
| 12                     | 15.79488      | 80.83172       | 47                     | 15.91352       | 81.06703       |
| 13                     | 15.77174      | 80.83121       | 48                     | 15.90980       | 81.06642       |
| 14                     | 15.76921      | 80.84153       | 49                     | 15.91049       | 81.06333       |
| 15                     | 15.77521      | 80.84419       | 50                     | 15.90807       | 81.06534       |
| 16                     | 15.78162      | 80.86606       | 51                     | 15.90206       | 81.05972       |
| 17                     | 15.77672      | 80.86866       | 52                     | 15.90372       | 81.05560       |
| 18                     | 15.77630      | 80.88168       | 53                     | 15.90130       | 81.05770       |
| 19                     | 15.78237      | 80.88779       | 54                     | 15.90212       | 81.05444       |
| 20                     | 15.78152      | 80.88991       | 55                     | 15.90130       | 81.05388       |
| 21                     | 15.78913      | 80.90057       | 56                     | 15.89952       | 81.05621       |
| 22                     | 15.79431      | 80.90360       | 57                     | 15.89637       | 81.05176       |
| 23                     | 15.79763      | 80.91792       | 58                     | 15.89064       | 81.04731       |
| 24                     | 15.80266      | 80.91983       | 59                     | 15.89105       | 81.04496       |
| 25                     | 15.80683      | 80.92990       | 60                     | 15.88851       | 81.04645       |
| 26                     | 15.81826      | 80.93493       | 61                     | 15.89183       | 81.05080       |
| 27                     | 15.84221      | 80.96168       | 62                     | 15.89348       | 81.05326       |
| 28                     | 15.86486      | 80.98555       | 63                     | 15.88995       | 81.05055       |
| 29                     | 15.89638      | 81.02494       | 64                     | 15.88489       | 81.04673       |
| 30                     | 15.91767      | 81.04965       | 65                     | 15.87726       | 81.03987       |
| 31                     | 15.93207      | 81.07428       | 66                     | 15.86513       | 81.03101       |
| 32                     | 15.95176      | 81.07968       | 67                     | 15.85461       | 81.02097       |
| 33                     | 15.96438      | 81.08986       | 68                     | 15.84384       | 81.01079       |
| 34                     | 15.98021      | 81.10286       | 69                     | 15.83421       | 81.00333       |
| 35                     | 16.00309      | 81.09405       | 70                     | 15.82819       | 81.00029       |

|     |          |          |     |          |          |
|-----|----------|----------|-----|----------|----------|
| 71  | 15.82638 | 80.99908 | 111 | 15.70958 | 80.81884 |
| 72  | 15.82247 | 80.99818 | 112 | 15.71241 | 80.81865 |
| 73  | 15.81906 | 80.99685 | 113 | 15.71027 | 80.81984 |
| 74  | 15.81773 | 80.99547 | 114 | 15.70781 | 80.82334 |
| 75  | 15.81577 | 80.99647 | 115 | 15.70800 | 80.82410 |
| 76  | 15.79875 | 80.99838 | 116 | 15.71031 | 80.82275 |
| 77  | 15.78750 | 81.00222 | 117 | 15.71248 | 80.82007 |
| 78  | 15.78205 | 81.00537 | 118 | 15.71740 | 80.81715 |
| 79  | 15.77573 | 81.00808 | 119 | 15.72039 | 80.81469 |
| 80  | 15.77483 | 81.01109 | 120 | 15.72162 | 80.81416 |
| 81  | 15.77167 | 81.01349 | 121 | 15.72574 | 80.80666 |
| 82  | 15.77498 | 81.01410 | 122 | 15.72938 | 80.80061 |
| 83  | 15.76693 | 81.01534 | 123 | 15.73431 | 80.79638 |
| 84  | 15.76489 | 81.00864 | 124 | 15.74139 | 80.79430 |
| 85  | 15.76956 | 80.99863 | 125 | 15.74714 | 80.79406 |
| 86  | 15.76075 | 80.99863 | 126 | 15.74903 | 80.79596 |
| 87  | 15.75774 | 81.00014 | 127 | 15.74804 | 80.79665 |
| 88  | 15.75763 | 81.00207 | 128 | 15.74977 | 80.79828 |
| 89  | 15.75396 | 81.00019 | 129 | 15.74838 | 80.79890 |
| 90  | 15.75450 | 81.00327 | 130 | 15.74973 | 80.79982 |
| 91  | 15.75670 | 81.00696 | 131 | 15.74816 | 80.80059 |
| 92  | 15.75781 | 81.00873 | 132 | 15.74537 | 80.80049 |
| 93  | 15.76006 | 81.00755 | 133 | 15.74575 | 80.80157 |
| 94  | 15.76011 | 81.00904 | 134 | 15.74189 | 80.80245 |
| 95  | 15.75701 | 81.01027 | 135 | 15.73734 | 80.80259 |
| 96  | 15.74635 | 80.99861 | 136 | 15.72993 | 80.80345 |
| 97  | 15.73382 | 80.97766 | 137 | 15.72857 | 80.80539 |
| 98  | 15.73311 | 80.97213 | 138 | 15.72954 | 80.80698 |
| 99  | 15.73520 | 80.97210 | 139 | 15.72704 | 80.80890 |
| 100 | 15.73393 | 80.96860 | 140 | 15.72568 | 80.81145 |
| 101 | 15.72918 | 80.96743 | 141 | 15.72388 | 80.81407 |
| 102 | 15.71914 | 80.95160 | 142 | 15.73139 | 80.81290 |
| 103 | 15.71493 | 80.93771 | 143 | 15.74021 | 80.81422 |
| 104 | 15.71956 | 80.93472 | 144 | 15.74109 | 80.81547 |
| 105 | 15.72031 | 80.93034 | 145 | 15.74751 | 80.81339 |
| 106 | 15.71704 | 80.92899 | 146 | 15.76069 | 80.81092 |
| 107 | 15.71509 | 80.92012 | 147 | 15.77681 | 80.80437 |
| 108 | 15.71432 | 80.89004 | 148 | 15.78070 | 80.80140 |
| 109 | 15.70777 | 80.82938 | 149 | 15.79094 | 80.79469 |
| 110 | 15.70510 | 80.82223 | 150 | 15.80280 | 80.78972 |

|     |          |          |     |          |          |
|-----|----------|----------|-----|----------|----------|
| 151 | 15.81335 | 80.78421 | 181 | 15.82485 | 80.79130 |
| 152 | 15.82286 | 80.78273 | 182 | 15.81877 | 80.79120 |
| 153 | 15.82729 | 80.78431 | 183 | 15.79894 | 80.80035 |
| 154 | 15.82814 | 80.78531 | 184 | 15.79463 | 80.80656 |
| 155 | 15.82939 | 80.78587 | 185 | 15.78300 | 80.81117 |
| 156 | 15.82851 | 80.78763 | 186 | 15.79020 | 80.80933 |
| 157 | 15.83165 | 80.78722 | 187 | 15.79866 | 80.80846 |
| 158 | 15.83548 | 80.78636 | 188 | 15.80696 | 80.81000 |
| 159 | 15.84103 | 80.78284 | 189 | 15.81133 | 80.81256 |
| 160 | 15.84859 | 80.77984 | 190 | 15.81464 | 80.81185 |
| 161 | 15.85096 | 80.77978 | 191 | 15.81787 | 80.81260 |
| 162 | 15.85351 | 80.77822 | 192 | 15.82541 | 80.81177 |
| 163 | 15.85789 | 80.77896 | 193 | 15.83679 | 80.80914 |
| 164 | 15.85887 | 80.77995 | 194 | 15.83823 | 80.80919 |
| 165 | 15.85735 | 80.78174 | 195 | 15.85166 | 80.79493 |
| 166 | 15.85578 | 80.78281 | 196 | 15.86178 | 80.78167 |
| 167 | 15.85475 | 80.78198 | 197 | 15.86539 | 80.77218 |
| 168 | 15.85543 | 80.78377 | 198 | 15.86709 | 80.77307 |
| 169 | 15.85537 | 80.78478 | 199 | 15.86753 | 80.77243 |
| 170 | 15.85476 | 80.78513 | 200 | 15.76937 | 80.79459 |
| 171 | 15.85508 | 80.78646 | 201 | 15.77047 | 80.79732 |
| 172 | 15.85408 | 80.78723 | 202 | 15.76605 | 80.79646 |
| 173 | 15.85331 | 80.78819 | 203 | 15.76037 | 80.79689 |
| 174 | 15.85029 | 80.78829 | 204 | 15.75582 | 80.79850 |
| 175 | 15.84889 | 80.78871 | 205 | 15.75353 | 80.80018 |
| 176 | 15.84460 | 80.78760 | 206 | 15.75293 | 80.79839 |
| 177 | 15.83968 | 80.78832 | 207 | 15.75627 | 80.79585 |
| 178 | 15.83705 | 80.78959 | 208 | 15.76087 | 80.79403 |
| 179 | 15.83414 | 80.78907 | 209 | 15.76527 | 80.79318 |
| 180 | 15.83027 | 80.78994 |     |          |          |

TABLE B: GEO-COORDINATES OF PROMINENT LOCATIONS OF ECO-SENSITIVE ZONE

| S. No. | Latitudes (N) | Longitudes (E) |
|--------|---------------|----------------|
| 1      | 15.90086      | 80.81776       |
| 2      | 15.88762      | 80.86435       |
| 3      | 15.78332      | 80.84031       |
| 4      | 15.81418      | 80.88654       |
| 5      | 15.82302      | 80.90167       |
| 6      | 15.82392      | 80.92769       |
| 7      | 15.89751      | 81.01557       |

|    |          |          |
|----|----------|----------|
| 8  | 15.93868 | 81.06737 |
| 9  | 16.01013 | 81.08178 |
| 10 | 16.00749 | 81.12150 |
| 11 | 15.95851 | 81.13963 |
| 12 | 15.89308 | 81.06263 |
| 13 | 15.82232 | 81.00718 |
| 14 | 15.75817 | 81.01919 |
| 15 | 15.70778 | 80.93193 |
| 16 | 15.69664 | 80.82791 |
| 17 | 15.72800 | 80.79030 |
| 18 | 15.77841 | 80.79243 |
| 19 | 15.83286 | 80.77725 |
| 20 | 15.86540 | 80.75450 |

## ANNEXURE-IV

**LIST OF VILLAGES COMING UNDER ECO-SENSITIVE ZONE OF KRISHNA WILDLIFE SANCTUARY  
ALONG WITH GEO-COORDINATES**

| SI. No. | Name of Village | Latitude - Longitude                                 | Remarks  |
|---------|-----------------|--|--|
| 1       | Hamsaladeevi    | E 15.991430 <sup>0</sup><br>N 81.096012 <sup>0</sup> | These villages fall along the Eco-sensitive Zone around the boundary of the Krishna Wildlife Sanctuary. The co-ordinates of the villages where the stations of the Eco-sensitive Zone are ear- marked, are submitted separately. |
| 2       | Palakayathippa  | E 15.977840 <sup>0</sup><br>N 81.099565 <sup>0</sup> |  |
| 3       | Gollapalem      | E 15.926709 <sup>0</sup><br>N 81.060882 <sup>0</sup> |  |
| 4       | Sorlagondi      | E 15.863822 <sup>0</sup><br>N 80.967162 <sup>0</sup> |  |
| 5       | Kammavari Palem | E 15.840329 <sup>0</sup><br>N 80.919018 <sup>0</sup> |  |
| 6       | Gollalamodha    | E 15.829376 <sup>0</sup><br>N 80.927899 <sup>0</sup> |  |
| 7       | Edurumondi      | E 15.839223 <sup>0</sup><br>N 80.888191 <sup>0</sup> |  |
| 8       | Nachugunta      | E 15.786658 <sup>0</sup><br>N 80.888066 <sup>0</sup> |  |
| 9       | Yelichetladibba | E 15.781129 <sup>0</sup><br>N 80.873134 <sup>0</sup> |  |
| 10      | Lankavanidibba  | E 15.792388 <sup>0</sup><br>N 80.840830 <sup>0</sup> |  |
| 11      | Mollagunta      | E 15.886951 <sup>0</sup><br>N 80.837566 <sup>0</sup> |  |
| 12      | Bhimavari Palem | E 15.891388 <sup>0</sup><br>N 80.820711 <sup>0</sup> |  |
| 13      | Kothapalem      | E 15.886638 <sup>0</sup><br>N 80.796502 <sup>0</sup> |  |

**ANNEXURE–V****Performa of Action Taken Report:-**

1. Number and date of meetings.
2. Minutes of the meetings: (Mention noteworthy points. Attach minutes of the meeting as separate Annexure).
3. Status of preparation of Zonal Master Plan including Tourism Master Plan.
4. Summary of cases dealt with rectification of error apparent on face of land record (Eco-sensitive Zone wise). Details may be attached as Annexure.
5. Summary of cases scrutinised for activities covered under the Environment Impact Assessment Notification, 2006 (Details may be attached as separate Annexure).
6. Summary of cases scrutinised for activities not covered under the Environment Impact Assessment Notification, 2006 (Details may be attached as separate Annexure).
7. Summary of complaints lodged under section 19 of the Environment (Protection) Act, 1986.
8. Any other matter of importance.